सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

ईश्वर ने हमें जन्म दिया है ताकि हम संसार में अच्छे काम करें और बुराई को दूर करें। -गुरु गोबिंद सिंह

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 129 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 15 जून, 2026

दीप्ति शर्मा के पंजे से पाकिस्तान... 7 | फिर बाहर आएगा परिसीमन का... 3 | 17 से पहले सीएम योगी को कोई... 2

राहुल की भविष्यवाणी की उलटी गिनती शुरू?

बंगाल से बिहार तक पक रही है सियासी बिरयानी

- » टीएमसी बागियों ने चुना तीसरा रास्ता
- » ममता के आगे बागियों की नहीं चली
- » एकनाथ शिंदे की तर्ज पर नहीं कर पाए मूल पार्टी पर कब्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनीति में कई बार जो दिखाई देता है असली कहानी उससे बिल्कुल अलग होती है। राजनीतिक सुर्खियां बता रही है कि तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों ने पार्टी छोड़ दी। विरोधी पक्ष इसे ममता बनर्जी के लिए झटका बता रहे हैं।

लेकिन राजनीतिक गलियारों में एक दूसरा सवाल तेजी से घूम रहा है कि अगर बागियों का मकसद सिर्फ टीएमसी को नुकसान पहुंचाना था तो फिर यह लोग भाजपा में क्यों नहीं गए? अगर महत्वाकांक्षा सबसे बड़ी थी तो फिर अलग पार्टी बनाकर खुद को नया नेता क्यों नहीं घोषित किया? आखिर ऐसा क्या है कि बंगाल के बागियों ने एक अपेक्षाकृत छोटी और नई राजनीतिक पार्टी का दामन थामना ज्यादा मुफीद समझा? यहीं से शुरू होती है उस राजनीतिक बिरयानी की कहानी जिसकी खुशबू सिर्फ कोलकाता तक सीमित नहीं है। इसकी आंच पटना दिल्ली और लखनऊ तक महसूस की जा रही है।

बागी सांसदों की अपनी अलग-अलग राय

टीएमसी सांसद असित मल ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल पर अपनी बात रखते हुए कहा है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस पार्टी ने राज्य में 15 सालों तक राज्य किया आज वह हाशिए पर खड़ी है। आज वो पार्टी विश्वसनीयता की लड़ाई लड़ रही है और उसे कोई पूछने वाला नहीं है। अब ऐसी स्थिति में टीएमसी का भविष्य कैसा रहता है। इस पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। इसके अलावा, जब उनसे सवाल किया गया कि टीएमसी में चल रहे राजनीतिक घमासान का जिम्मेदार अभिषेक बनर्जी है तो इस पर उन्होंने कहा कि नहीं ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। हम अभिषेक बनर्जी को इस पूरे राजनीतिक घमासान का जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते हैं। हमने अपनी खुद ग्रुप में अलग पार्टी में शामिल होने का फैसला किया। लिहाजा इस पूरे मामले में अभिषेक बनर्जी की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने एनसीपीसीआई के साथ गठबंधन को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने एक समूह के रूप में पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है। अब आगे क्या फैसला किया जाएगा। इस पर जल्द ही पूरी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। फिलहाल तो विभिन्न प्रकार के बिंदुओं को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय ने टीएमसी में चल रहे राजनीतिक उठापटक पर भी अपनी बात रखते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि हम आगामी दिनों में एनडीए को खुलकर सपोर्ट करेंगे। हमें एनडीए को सपोर्ट करने में कोई गुरेज नहीं है। अब आगे क्या फैसला करना है यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। फिलहाल इस पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी करना मुश्किल है। कुल मिलाकर, अभी सबकुछ समय पर छोड़ दिया गया है। समय की गतिविधियों को देखते हुए ही आगे कोई भी फैसला लिया जा सकता है।

राजनीतिक प्रयोगशाला की कहानी

इसलिए यह केवल टीएमसी बनाम बागी की कहानी नहीं है। यह उस राजनीतिक प्रयोगशाला की कहानी है जहां 26 के बंगाल चुनाव और 29 की राष्ट्रीय राजनीति के लिए नए फार्मूले तैयार किए जा रहे हैं। कौन किसके साथ जाएगा कौन किसके खिलाफ खड़ा होगा और कौन आखिरी समय में किस खेमे में दिखाई देगा यह अभी भविष्य के गर्भ में है। लेकिन इतना जरूर है कि बंगाल से उठी यह हलचल केवल बंगाल की नहीं रह गई है। राजनीतिक बिरयानी चढ़ चुकी है मसाले पड़ चुके हैं आंच तेज हो रही है और दिल्ली से पटना तक हर कोई यह जानना चाहता है कि आखिर इस देगची से निकलने वाला अगला राजनीतिक स्वाद क्या होगा। क्योंकि राजनीति में कभी-कभी असली कहानी वहां नहीं लिखी जाती जहां लोग लड़ते दिखाई देते हैं। असली कहानी वहां लिखी जाती है जहां लोग इंतजार कर रहे होते हैं।

4 वर्ष पहले अस्तिव में आई है पार्टी

तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों का गुट आखिरकार नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया यानी एनसीपीआई में शामिल हो गया। यह वही पार्टी है जिसका अस्तित्व चार साल पहले सामने आया था और जो राष्ट्रीय राजनीति में अभी तक कोई बड़ा प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। लेकिन राजनीति में हर फैसला सीटों के हिसाब से नहीं होता। कई फैसले समय के हिसाब से होते हैं। और राजनीति में समय ही सबसे बड़ी पूंजी होता है। यही वजह है कि अब इस घटनाक्रम को केवल दल बदल की साधारण घटना नहीं माना जा रहा। राजनीतिक विश्लेषक इसे भविष्य की किसी बड़ी पटकथा का शुरुआती दृश्य मान रहे हैं। सवाल यह नहीं है कि कुछ सांसद टीएमसी छोड़कर चले गए। सवाल यह है कि वह कहां गए और क्यों गए?

स्पीकर से मिले बागी, अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की

लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के बागियों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकत कर अपने लिए सदन में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की। सांसदों के इस गुट की अगुवाई चार बार लोकसभा सांसद रहीं डॉ. काकोली घोष दस्तीदार और शताब्दी रॉय कर रही हैं। बागी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को पत्र सौंपकर इस बारे में आधिकारिक अनुरोध किया। बागी सांसदों के एनसीपीआई में शामिल होने के फैसले की पुष्टि करते हुए घोष दस्तीदार ने कहा कि जल्द ही हम अपने भविष्य की योजनाओं को देश की जनता के सामने शेयर करेंगे। इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए बांकुरा से तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सांसद अरूप चक्रवर्ती ने मीडिया को बताया कि एनसीपीआई पूरे पश्चिम बंगाल में अपने दफ्तर खोलेगी। एनसीपीआई 22 में अस्तित्व में आयी थी। पार्टी के ऑफिस असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में हैं। कोलकाता से सटे हावड़ा जिले के बांकरा में भी इसका एक ऑफिस है। बागी सांसदों ने इस कम जानी-पहचानी राजनीतिक पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है। इससे पहले बागी सांसदों ने संकेत दिया था कि वे लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के अंदर एक अलग गुट बनाएंगे जैसा पश्चिम बंगाल विधानसभा में किया गया था और उसके बाद एनडीए से समर्थन की अपील करेंगे।

कहानी खत्म नहीं शुरू हुयी है!

दिलचस्प बात यह है कि बंगाल की राजनीति को करीब से देखने वाले कई जानकार दावा कर रहे हैं कि यह कहानी अभी खत्म नहीं बल्कि अभी तो शुरू हुयी है। उनके मुताबिक राजनीतिक रिश्तों के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। बंगाल की राजनीति में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जहां नेता नाराज होकर गए शक्ति प्रदर्शन किया और फिर बदली परिस्थितियों में वापसी भी कर गए। इसलिए यह मान लेना कि यह हमेशा के लिए हुआ राजनीतिक भूल भी साबित हो सकती है। यहीं पर चर्चा राहुल गांधी की उस राजनीतिक सोच तक पहुंचती है जिसमें वे बार-बार विपक्षी राजनीति के पुनर्गठन नए समीकरणों और भाजपा के खिलाफ व्यापक मोर्चेबंदी की बात करते रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक भारतीय राजनीति धीरे धीरे पुराने ढांचे से बाहर निकलकर नए गठबंधनों नए मंचों और नए समीकरणों की तरफ बढ़ रही है। बंगाल में हुआ यह घटनाक्रम उसी लंबी प्रक्रिया की एक कड़ी हो सकता है।

जीत ममता की, बागी नहीं कर पाए पार्टी पर कब्जा

बागियों के इस मूव को राजनीतिक जानकार ममता बनर्जी की जीत के तौर पर देख रहे हैं और उनका मानना है कि ममता ने बहुत ही सूझबूझ के साथ इस पूरे मामले को टैगल किया। आखिर संख्या बल के हिसाब से बागी पूरी ताकत में थे और उन्हें टीएमसी पर कब्जा करने में कोई दिक्कत भी पेश नहीं आनी चाहिए थी। लेकिन पार्टी के संविधान और ममता बनर्जी की सूझबूझ के चलते कदम वापस खींचने पड़े। जिस प्रकार महाराष्ट्र में बागियों ने मूल पार्टी पर ही कब्जा कर लिया और उद्धव ठाकरे को शिवसेना का नाम शिवसेना यूबीटी करना पड़ा। ऐसा पश्चिम बंगाल में नहीं हो पाया। तृणमूल कांग्रेस के संविधान के अनुसार पार्टी के भीतर निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था की पहचान पहले राज्य कार्यकारी समिति (स्टेट एग्जीक्यूटिव कमेटी) के रूप में की गई थी। हालांकि बाद में संविधान में संशोधन के बाद राष्ट्रीय कार्यसमिति को पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था का दर्जा दिया गया। यह समिति काफी हद तक पार्टी अध्यक्ष विशेष रूप से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इर्द-गिर्द केंद्रित मानी जाती है। पार्टी के मूल और संशोधित दोनों संविधान के अनुसार तृणमूल कांग्रेस में संगठनात्मक पदाधिकारियों का प्रभाव चुने हुए जनप्रतिनिधियों यानी सांसदों और विधायकों की तुलना में अधिक ताकतवर है।

17 से पहले सीएम योगी को कोई नहीं जानता था: अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- भाजपा सिर्फ नकारात्मक राजनीति करती है

» सरकार बनने पर पेपर लीक जैसी घटनाओं को पूरी तरह रोका जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख ने आगरा में भाजपा पर कड़ा प्रहार किया । सपा मुखया ने अपनी बेटी पर टिप्पणी मामले सीएम योगी के बयान पर समाजवादी पार्टी प्रमुख ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि देश में बीजेपी नकारात्मक पॉलिटिक्स करती है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि साल 17 से पहले सीएम योगी को कोई नहीं जानता था।

वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया कि उनकी सरकार बनने पर युवाओं को नौकरियों का मुद्दा प्राथमिकता बनेगा और पेपर लीक जैसी घटनाओं को पूरी तरह रोका जाएगा। पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि पेपर लीक इसलिए हो रहे हैं क्यूंकि सत्ता पक्ष के लोगों को एडमिशन दिलवाना है, आगे बोले कि जो विश्वगुरु बनने का दावा कर रहे थे, वो अब पेपर लेकर तक नहीं रोक पा रहे।

किसी की छवि खराब करने में बीजेपी अरबों खर्च कर देती है

सीएम योगी के चेले चपाटे वाले बयान पर अखिलेश यादव ने कहा, अपने गुरुओं को कौन संभालेगा? उस विषय को नहीं छेड़ना चाहता हूं, देश में बीजेपी ने नकारात्मक पॉलिटिक्स की है, हजारों करोड़ रुपये वे इस बात के लिए खर्च करते हैं कि किसी की छवि कैसे खराब की जाए।

हफ्तावसूली पर होगी कार्रवाई

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया कि उनकी सरकार बनने पर हफ्ता वसूली पर सख्त कार्रवाई होगी, इसके साथ ही उन्होंने बताया कि वेंडर सुरक्षा हेल्प लाइन शुरू की जाएगी। वीडियो सुबूत भेजने पर 48 घंटे में एफआईआर होगी और बाजार में तैनात कर्मचारिओं के लिए बॉडी कैमरा अनिवार्य होगा। उन्होंने बिजली कटौती के स्थाई समाधान का दावा किया और ऑनलाइन कारोबार से मुकाबले के लिए छोटे व्यापारियों की मदद करने का भी ऐलान किया।

बीजेपी ने 12 साल में बड़ो को बढ़ाओ और छोटों को मिटाओ की नीति अपनाई

बीजेपी पर तीखा हमला करते हुए अखिलेश यादव ने बड़ो को बढ़ाओ और छोटों को मिटाओ की नीति बताते हुए कहा कि बीजेपी सरकार कारीगरों को मजदूर बनाने पर तुली हुई है। उन्होंने कहा कि एक तारांग बीजेपी 13 साल का जश्न मना रही है कि लेकिन क्या पेट्रोल पंप पर जाकर ऐसा एहसास होता है। विश्व गुरु बनने का मौका छोड़ दिया, पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि जैसे बिना बताए पाकिस्तान चले गए थे वैसे ईरान चले जाते।

यूपी में इंडिया गठबंधन चुनाव लड़ेगा

इसके अलावा उन्होंने फिर दोहराया कि इंडिया गठबंधन चुनाव लड़ेगा और समाजवादी पार्टी और कांग्रेस 403 सीटों पर तैयारी कर रही है। नई रणनीति के सवाल पर कहा कि हम अभी आपको बताएँगे नहीं। उन्होंने दावा किया कि दलिया चुनावों में बीजेपी को हराया जा चुका है, सिलिये अब बेईमानी की कोशिश होगी और बीजेपी के पास महंगाई और बेरोजगारी का कोई जवाब नहीं है।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर युवाओं को नौकरियों का मुद्दा प्राथमिकता बनेगा और पेपर लीक जैसी घटनाओं को पूरी तरह रोका जाएगा। अखिलेश यादव ने

छोटे कारोबारी हो रहे बर्बाद

आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार में छोटे कारोबारी बर्बाद हो रहे हैं, जबकि ये कारोबारी ही खुशहाली की बुनियाद हैं और इससे छह करोड़ से अधिक परिवार जुड़े हुए हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से समर्थन की अपील की और कहा कि आने वाले चुनावों में इंडिया गठबंधन बीजेपी को हरा देगा। इसके साथ ही उन्होंने अयोध्या में दानपात्र में चोरी और बंगाल चुनाव में बेईमानी को ललर बीजेपी को घेरा।

मोदी ने देश का स्वाभिमान गिरवी रखा: संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि यदि चीन के जहाज, रूस के जहाज और पाकिस्तान के जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से आ-जा सकते हैं तो भारत के जहाजों को रोकने और उन पर हमला करने का अधिकार अमेरिका को किसने दिया? उन्होंने कहा कि यह स्थिति देश के लिए बेहद अपमानजनक है और मोदी सरकार की कमजोरी का परिणाम है। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि एप्स्टीन फाइल के दबाव और अपने मित्र अडानी को बचाने की कोशिश में उन्होंने देश के स्वाभिमान को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हाथों गिरवी रख दिया है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा तीन भारतीय जहाजों पर हमले और तीन भारतीय नागरिकों की हत्या के बावजूद प्रधानमंत्री की चुप्पी उनकी कमजोरी और डर को उजागर करती है। संजय सिंह ने कहा कि आदित्य शर्मा, शिवानंद, आसिया और मुख्य अभियंता सुरेश जैसे भारतीय नागरिकों की मौत पर प्रधानमंत्री ने न शोक संवेदना व्यक्त की और न ही अमेरिका के खिलाफ एक शब्द बोला, जबकि अमेरिका स्वयं हमले की जिम्मेदारी स्वीकार कर रहा है। संजय सिंह ने बयान जारी कर कहा कि देश में लोग साउंड प्रूफ और वाटर प्रूफ जैसी चीजों के बारे में सुनते हैं। वाटर प्रूफ घड़ी, वाटर प्रूफ जूते, चप्पल और साउंड प्रूफ कमरे होते हैं, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री अब शर्म प्रूफ हो चुके हैं। उन्हें किसी भी विषय पर शर्म नहीं आती। उन्होंने कहा कि किसी भी स्वाभिमानी देश का प्रधानमंत्री अपने नागरिकों की मौत पर कम से कम संवेदना तो व्यक्त करता है, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने ऐसा भी नहीं किया।

सपा प्रमुख बताएं ममता बनर्जी के 20 सांसद पार्टी छोड़कर क्यों गए: ओवैसी

» एआईएमआईएम यूपी विस चुनाव में उतारेंगे उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को उत्तर प्रदेश के लोगों से अपनी पार्टी का समर्थन करने की अपील की और समाजवादी पार्टी के नेताओं पर राज्य के कुछ हिस्सों में विकास न कर पाने का आरोप लगाया।

बहराइच जिले के मटेरा विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि युवा अब राजनीतिक रूप से जागरूक हो गए हैं। उन्होंने लोगों से एआईएमआईएम का समर्थन करने की अपील की। ओवैसी ने ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर जाने सांसदों को लेकर भी सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। समाजवादियों को वोट दिया, उन्होंने कुछ नहीं किया

बहराइच में इलाके में चुने हुए

प्रतिनिधियों के विकास कार्यों पर सवाल उठाते हुए ओवैसी ने कहा, जिन समाजवादी पार्टी नेताओं को आपने वोट दिया, उन्होंने इलाके के विकास के लिए क्या किया है? उन्होंने कुछ नहीं किया। ओवैसी ने आरोप लगाया कि जनता से वोट मिलने के बावजूद स्थानीय प्रतिनिधि बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने में नाकाम रहे और दावा किया कि इलाके में एक अस्पताल तक नहीं बनाया गया है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने तृणमूल कांग्रेस से नेताओं के पाला बदलने का भी जिक्र किया और सवाल उठाया कि

पुलिस एनकाउंटर पर योगी सरकार को घेरा

ओवैसी ने उत्तर प्रदेश की भालपा सरकार और समाजवादी पार्टी दोनों पर तीखा हमला करते हुए उन पर अल्पसंख्यकों और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को हल करने में विफल रहने का आरोप लगाया। पुलिस एनकाउंटर को लेकर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने आरोप लगाया कि कानून-व्यवस्था के नाम पर निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है और कहा कि शासन कानून के शासन के अनुसार चलना चाहिए।

विपक्षी पार्टियां इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं। ओवैसी ने कहा, अखिलेश यादव, मुझे बताएं कि जब ममता बनर्जी के 20 सांसद पार्टी छोड़कर गए, तो वे क्यों गए? इस बारे में कोई कुछ नहीं कहता। सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि कोई भी गठबंधन सम्मान और समानता पर आधारित होना चाहिए और इस बात पर जोर दिया कि बातचीत राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सत्ता में हिस्सेदारी पर केंद्रित होनी चाहिए।

अखिलेश की वजह से पंचायत चुनाव की प्रक्रिया हुई बाधित: ओमप्रकाश

» सुभासपा प्रमुख ने सपा प्रमुख पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अकबरपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पंचायत चुनाव की पूरी तैयारी कर ली थी, लेकिन अखिलेश यादव की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर कराए जाने से चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हुई और अब सरकार अदालत के फैसले का इंतजार कर रही है।

राजभर ने सपा सरकार के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उस दौरान प्रदेश में करीब एक हजार दंगे हुए थे, जबकि भाजपा सरकार में कहीं दंगा नहीं हुआ। एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने उन्हें बिना तथ्यों के बयान देने वाला बताया। वहीं, सोशल मीडिया पर अखिलेश यादव की बेटी को लेकर हुई अभद्र टिप्पणी पर राजभर ने कहा कि बहन-बेटियां किसी की भी हों, उनका सम्मान होना चाहिए और दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में सपा का हश्र टीएमसी जैसा होगा : केशव प्रसाद मौर्य

मुरादाबाद के दौरे पर आए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यूपी में सपा का हश्र टीएमसी जैसा होगा। भविष्य में अखिलेश यादव की पार्टी चुनाव लड़ने लायक नहीं बचेगी। सपा का कोई चरित्र नहीं है। 27 में यूपी में भाजपा 17 से बड़ी जीत हासिल करेगी। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव के बयान 27 और 29 में भाजपा चुनाव जीतती है तो यह आखिरी चुनाव होगा, पर करारा जवाब दिया। कहा कि ये (27) चुनाव अखिलेश यादव के लिए आखिरी चुनाव होगा, जैसा टीएमसी के लिए हो रहा है। पश्चिम बंगाल में भाजपा आई, टीएमसी गई। हम लोग नारा लगाते थे चार मई, ममता दीदी गई। वहां कमल खिल गया। लेकिन अचानक टीएमसी इस प्रकार से ध्वस्त हो जाएगी, इसका अंदाजा हमें और हमारी पार्टी को भी नहीं था।

तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था लाइफ सपोर्ट पर: उदयनिधि

» तीन साल की बच्ची से दरिंदगी, विजय सरकार विपक्ष के निशाने पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में कथित तौर पर यौन उत्पीड़न के बाद तीन साल की बच्ची की मौत हो गई। इस घटना के बाद विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन और एआईडीएमके के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने मुख्यमंत्री विजय के कार्यकाल में राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति की कड़ी आलोचना की है।

बिहार के रहने वाले आरोपी को नाबालिग के साथ कथित यौन उत्पीड़न के

मामले में गिरफ़्तार किया गया है। यह घटना तिरुवल्लूर जिले के गुमिडीपूंडी सब-डिविज़न में हुई। पुलिस की जांच से पता चला है कि इस घटना में सिर्फ़ एक व्यक्ति शामिल था, आरोपी और पीड़ित दोनों ही बिहार के रहने वाले हैं।

एक्स पर एक पोस्ट में, उदयनिधि स्टालिन ने हैरानी जताई और नए चुने गए मुख्यमंत्री विजय के प्रशासन की आलोचना की। उन्होंने मांग की कि पुलिस असली दोषियों की पहचान करे और यह पक्का करे कि उन्हें कड़ी सज़ा मिले। उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकर बहुत दुख और हैरानी हुई कि 3 साल के एक बच्चे के साथ यौन शोषण किया गया और फिर उसे गुमिदिपुंडी के पास झाड़ियों में फेंक दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस को इस अपराध के असली दोषियों की पहचान करनी चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि उन्हें कड़ी सज़ा मिले। यह निंदनीय है कि आपराधिक घटनाएं-जिनके बारे में हम पहले दूर के उत्तरी इलाकों में होने की खबरें पढ़ते थे-अब इस प्रशासन के तहत तमिलनाडु में रोज़ की बात हो गई हैं।

फिर बाहर आएगा परिसीमन का जिन्न

कानून मंत्रालय ने संशोधित ड्राफ्ट पर शुरू किया काम

- फिर ऐक्टिव हुई मोदी सरकार
- आने वाले दिनों में और चढ़ेगा सियासी पारा
- विस चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन कमजोर
- पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए का परिसीमन प्लान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद देश की राजनीति पर गहरा असर पड़ा है। चुनाव से पहले परिसीमन के मुद्दे पर मात खाई भाजपा इसे फिर लाने की तैयारी में जुटेगी। बता दें विशेष सत्र में परिसीमन बिल का प्रस्ताव गिर गया था। इसका सबसे बड़ा कारण डीएमके व टीएमसी थी। पर विस चुनाव में दोनो की हार के बाद माहौल बदल गया है। जहां डीएमके व कांग्रेस में मनमुटाव हो गया है वहीं टीएमसी के सांसद टूट कर एनडीए के पाले में आ गए हैं।

ऐसे में परिसीमन पर भाजपा को लाभ मिलने की उम्मीद है हालांकि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी है। केंद्र की सत्ताधारी एनडीए परिसीमन पर एक बार फिर से बातचीत शुरू कर दी है, जिसमें विस्तार की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। कानून मंत्रालय एक संशोधित ड्राफ्ट पर काम कर रहा है। इस कवायद का मकसद मौजूदा चिंताओं को दूर करना और व्यापक सहमति बनाना है। क्या केंद्र सरकार एक बार फिर डीलिमिटेशन के मुद्दे पर आगे बढ़ने जा रही है? जानकारों के मुताबिक, आने वाले हफ्तों में जबरदस्त राजनीतिक हलचल देखने को मिल सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि बीजेपी, पार्टी संगठन में अहम नियुक्तियों की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही सत्ताधारी गठबंधन एक अहम राजनीतिक दौर से पहले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस का और विस्तार करने के मौकों पर विचार कर रहा है। इसके साथ ही मोदी सरकार परिसीमन के राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दे पर भी काम फिर से शुरू करने की तैयारी में है।

राजनीतिक हलचल का ये दौर बुधवार से शुरू हो सकती है, जब एनडीए नेता सरकार की 12वीं सालगिरह मनाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार कार्यकाल में सबसे लंबे समय तक चुने हुए प्रधानमंत्री रहने के मामले में जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ने का जश्न मनाने के लिए नई दिल्ली में इकट्ठा होंगे।

परिसीमन को लेकर दक्षिण में दिखा था घमासान

डीएमके दक्षिणी राज्यों पर परिसीमन के संभावित असर की सबसे मुखर आलोचकों में से एक के तौर पर उभरी है। साथ ही, एनडीए नेता और बीजेपी रणनीतिकार गठबंधन का दायरा बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार कर रहे हैं। बदलते राजनीतिक परिदृश्य ने नए गठबंधनों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं, जिसमें नेताओं के पाला बदलने और नए गठबंधन बनने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

बीजेपी संगठन में भी बदलाव होगा

हालांकि अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन बड़े विधायी और राजनीतिक कदमों के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने के विकल्प से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। इस नीतिगत कवायद के साथ-साथ, बीजेपी संगठनात्मक बदलावों की भी तैयारी कर रही है। बीजेपी प्रमुख नितिन नवीन की अगुवाई में नई टीम की घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। पार्टी संगठन में निरंतरता और नई पीढ़ी को आगे लाने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है, इसलिए इस टीम में अनुभवी संगठनात्मक नेताओं के साथ-साथ युवा चेहरों को भी शामिल किए जाने की संभावना है। साथ ही, बीजेपी के कई राज्य यूनिट्स में संगठन मंत्री के खाली पदों को भरने के लिए आरएसएस के साथ बातचीत तेज करने की भी उम्मीद है। परिसीमन पर चल रही प्रक्रिया, एनडीए के विस्तार की कोशिशें, संसद में संभावित पहल और संगठन में बदलाव इन सभी घटनाक्रम को मिलाकर देखें तो पता चलता है कि राजनीतिक गतिविधियां तेज होने वाली हैं। ये गतिविधियां आने वाले महीनों में सत्ताधारी गठबंधन की रणनीति तय करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

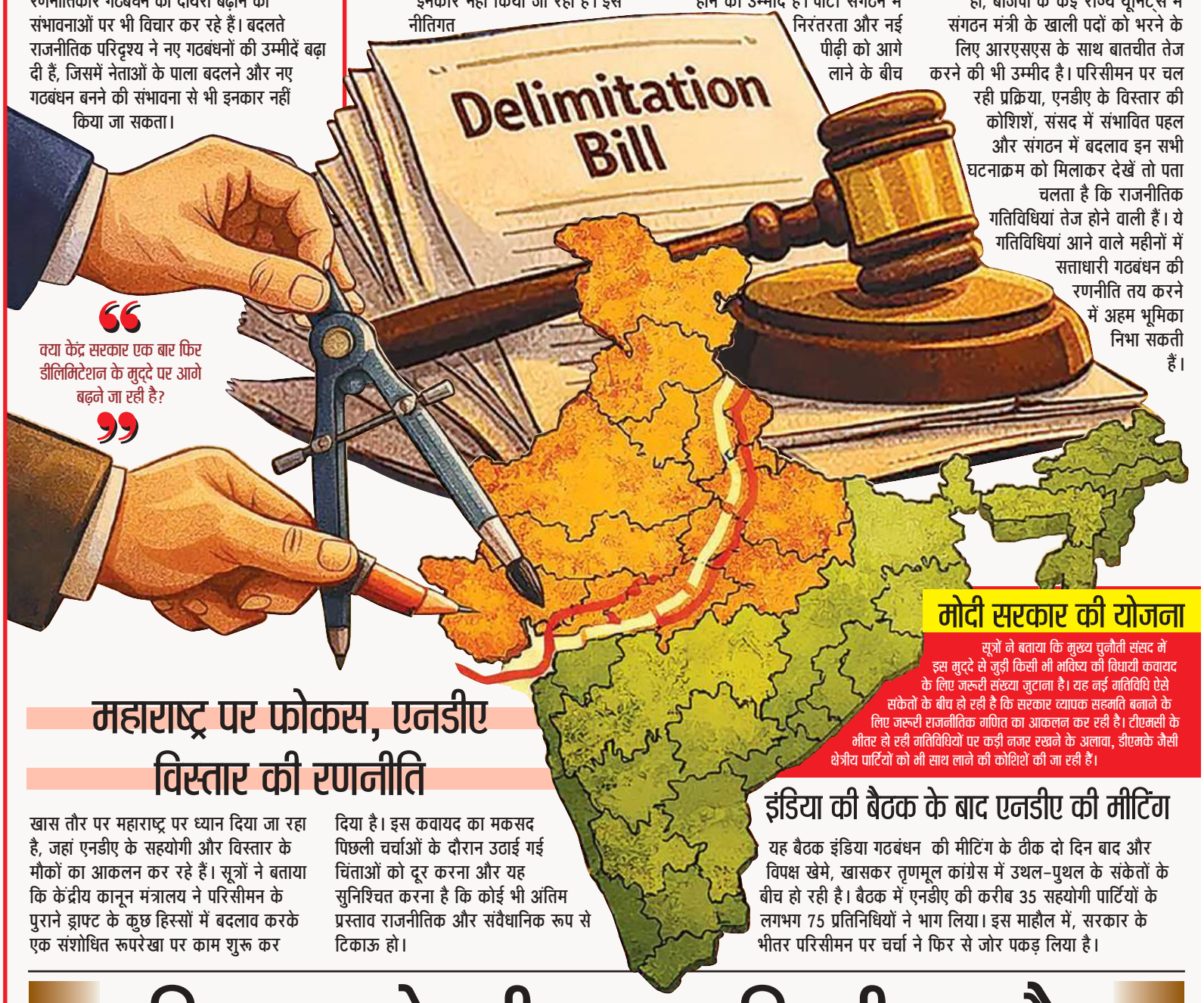

> क्या केंद्र सरकार एक बार फिर डीलिमिटेशन के मुद्दे पर आगे बढ़ने जा रही है?

मोदी सरकार की योजना

सूत्रों ने बताया कि मुख्य चुनौती संसद में इस मुद्दे से जुड़ी किसी भी भविष्य की विधायी कवायद के लिए जरूरी संख्या जुटाना है। यह नई गतिविधि ऐसे संकेतों के बीच हो रही है कि सरकार व्यापक सहमति बनाने के लिए जरूरी राजनीतिक गणित का आकलन कर रही है। टीएमसी के भीतर हो रही गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के अलावा, डीएमके जैसी क्षेत्रीय पार्टियों को भी साथ लाने की कोशिशें की जा रही हैं।

महाराष्ट्र पर फोकस, एनडीए विस्तार की रणनीति

खास तौर पर महाराष्ट्र पर ध्यान दिया जा रहा है, जहां एनडीए के सहयोगी और विस्तार के मौकों का आकलन कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय कानून मंत्रालय ने परिसीमन के पुराने ड्राफ्ट के कुछ हिस्सों में बदलाव करके एक संशोधित रूपरेखा पर काम शुरू कर दिया है। इस कवायद का मकसद पिछली चर्चाओं के दौरान उठाई गई चिंताओं को दूर करना और यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी अंतिम प्रस्ताव राजनीतिक और संवैधानिक रूप से टिकाऊ हो।

इंडिया की बैठक के बाद एनडीए की मीटिंग

यह बैठक इंडिया गठबंधन की मीटिंग के ठीक दो दिन बाद और विपक्ष खेमे, खासकर तृणमूल कांग्रेस में उथल-पुथल के संकेतों के बीच हो रही है। बैठक में एनडीए की करीब 35 सहयोगी पार्टियों के लगभग 75 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस माहौल में, सरकार के भीतर परिसीमन पर चर्चा ने फिर से जोर पकड़ लिया है।

तमिलनाडु के सीएम का दिल्ली का दौरा

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय नीति आयोग की बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली दौरे आए, जहां वे प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण चर्चाओं में हिस्सा लिया। इस तीन दिवसीय यात्रा के दौरान, विजय राष्ट्रपति मुर्मू, गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मिलकर राज्य के मुद्दों और राजनीतिक समीकरणों पर संवाद किया, जो राष्ट्रीय राजनीति में उनकी बढ़ती सक्रियता को दर्शाता है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय बुधवार को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली आए। जिसके दौरान उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 11 जून को होने वाली नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में भाग लिया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, विजय सुबह लगभग 8 बजे एक विशेष चार्टर्ड विमान से चेन्नई से रवाना हुए। पदभार संभालने के बाद यह उनकी राजधानी की दूसरी यात्रा है। 27 मई को अपनी पिछली यात्रा के दौरान, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी और अगले दिन चेन्नई लौट आए थे। इस बार, नीति आयोग की बैठक में भाग लेने के अलावा, मुख्यमंत्री के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, सीपी राधाकृष्णन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात और चर्चा करने की भी उम्मीद थी, जिनसे वे दिल्ली की अपनी पिछली यात्रा के दौरान नहीं मिल पाए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली आगामी नीति आयोग शासी परिषद की बैठक में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री भाग लेंगे और सहकारी संघवाद और विकास प्राथमिकताओं के प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू भी 10 जून से शुरू होने वाले दो दिवसीय दौरे पर नई दिल्ली जाएंगे, जिसके दौरान वे राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और नीति आयोग की महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लेंगे। इस मुलाकात को राज्य की योजनाओं के लिए लाभदायक माना जा रहा है। सीएम ने राज्य के विकास के लिए सरकार से चर्चा की है। सूत्रों के अनुसार राज्य के विकास के लिए सीएम विजय केंद्र के साथ समन्वय से काम करेंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

हर चमकती वस्तु चांदी नहीं होती

सरकार 12 साल का जश्न मना रही है। अपनी उपलब्धियों का गुणगान कर रही है। देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया के पांच देशों में गिनवा रही है। पर हकीकत में इनमें जो हमसे आगे वाले देश हैं कई मामलों में हम उनसे बहुत पीछे हैं। भारत किसानों का देश है अपने यहां किसान का हाल बेहाल है। कमाई के मामले में औसत दर्जे से बहुत पीछे हैं। बस एक बात है कि भारतीय संतुष्टि का भाव रखने वाला होता है इसलिए वह अपनी कमियों की चर्चा नहीं करता परंतु इसका अर्थ ये नहीं है कि सब कुछ बढ़िया क्योंकि हर चमकती चीज चांदी नहीं। आज देश के सामने सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न इस पिरामिड के आधार यानी ग्रामीण परिवारों की आय का है। आज भारत की इस सबसे निचली श्रेणी की औसत आय मात्र 60 से 70 हजार रुपए सालाना है, यानी बमुश्किल 5 हजार से 6 हजार रुपए महीना। इसके विपरीत, हमारे पड़ोसी और आर्थिक प्रतिद्वंद्वी चीन में एक ग्रामीण परिवार की औसत आय 2 से 3 लाख रुपए सालाना है । आय की इस भारी खाई ने दोनों देशों के घरेलू बाजारों के परिदृश्य को पूरी तरह से बदलकर रख दिया है।

इसे इन जमीनी आंकड़ों से समझिए- भारत में एक ग्रामीण परिवार प्रतिमाह औसतन 4-5 हजार रुपए खर्च कर पाता है, जबकि चीन में यह खपत 20 हजार रुपए प्रतिमाह के करीब है । चीन के लगभग 40 फीसदी घरों में आज चौपहिया गाडिय़ां हैं, जबकि भारत में यह आंकड़ा बमुश्किल 5 फीसदी तक सिमटा हुआ है। चीन के 75 फीसदी घरों में दोपहिया वाहन हैं, वहीं भारत में आज भी केवल एक-तिहाई (33 फीसदी) घरों में ही टू-व्हीलर पहुंच पाए हैं। चीन का फर्नीचर (लकड़ी) बाजार भारत की तुलना में 3 गुना, कपड़ा बाजार 5 गुना और घरेलू बर्तनों व उपकरणों का बाजार 2 से 3 गुना बड़ा है । कड़वा सच यह है कि प्रति व्यक्ति आय और क्रय शक्ति के मामले में आज भारत का जो स्तर है, चीन उस मुकाम पर 2005 में ही पहुंच चुका था। यानी खपत और आमदनी के मामले में हमारे गांव चीन से 10-15 साल पीछे चल रहे हैं । जब 10 करोड़ ग्रामीण परिवारों की जेब में पैसा नहीं होगा, तो बाजार में मांग कहां से पैदा होगी? फलस्वरूप, आज देश के 7 लाख मध्यम वर्गीय कारोबारी और 7 हजार बड़े उद्योग एक सुर में कह रहे हैं कि देश में घरेलू मांग का भारी अभाव है। बड़े औद्योगिक घरानों की फैक्ट्रियां आज अपनी कुल क्षमता के मात्र 70 फीसदी स्तर पर ही काम कर रही हैं। मांग न होने के कारण ये घराने अपनी उपलब्ध पूंजी का इस्तेमाल नए निवेश या कारोबार के विस्तार में नहीं कर पा रहे हैं । इसका जीता-जागता और दुखद उदाहरण हाल ही में सूरत की कपड़ा इंडस्ट्री में देखने को मिला।

“ भारत किसानों का देश है अपने यहां किसान का हाल बेहाल है। कमाई के मामले में औसत दर्जे से बहुत पीछे हैं। बस एक बात है कि भारतीय संतुष्टि का भाव रखने वाला होता है इसलिए वह अपनी कमियों की चर्चा नहीं करता परंतु इसका अर्थ ये नहीं है कि सब कुछ बढ़िया क्योंकि हर चमकती चीज चांदी नहीं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीतिक सोच की गरीबी का त्रास झेलता पंजाब

प्रो. सुखदेव सिंह

पंजाब में पिछले कुछ सालों में राजनीति मुनाफा कमाने का एक ऐसा धंधा बन गया है, जिसमें लोगों के लिए काम करने की जगह व्यक्तिगत फायदे के लिए राजनीतिक दल बदली एक आम प्रक्रिया हो गई है। चुनाव जीतने के लिए किसी राजनीतिक प्रेरणा या पॉलिसी के बजाय पैसे, पावर और सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल आम हो गया है। अपने नुमाइंदे चुनते समय, राजनीतिक पार्टियां उसकी राज्य में जलवायु परिवर्तन, संसाधन क्षरण, बिगड़ती शहरी सेवाओं, हेल्थ और एजुकेशन को सही दिशा देने के लिए लोगों के हित में एक ठोस पॉलिसी बनाने की क्षमता के बजाय चुनाव क्षेत्र में उसके परिवार के कंट्रोल और पैसे खर्च करने की उसकी क्षमता और सहमति को प्राथमिकता दे रही हैं।

आजादी के बाद से लंबे समय तक पंजाब में कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल सत्ता की अदला-बदली करते रहे हैं, लेकिन 2022 से पॉलिटिकल पावर का कंट्रोल आम आदमी पार्टी के पास है; जबकि भविष्य में भाजपा राज्य की बागडोर संभालने के लिए बेचैन हो रही है। सरकार द्वारा पंजाब को आर्थिक कर्ज़ से आज़ाद करने और लोगों को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, सुरक्षा और दूसरी सुविधाएं देने के लिए कोई पक्का प्रोग्राम बनाने के बजाय, राज्य में मुफ्त आटा, दाल, मुफ़्त बिजली, मुफ्त बस यात्रा, मुफ्त तीर्थयात्रा और महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये मुफ्त देने वगैरह का लालच देकर थोड़े समय की लोकप्रियता हासिल की जा रही है। टिकाऊ सुधारों के बजाय तुरंत चुनावी फ़ायदे को तरजीह दी जा रही है, लेकिन न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने से बचा जा रहा है। पंजाब के 'दस उंगलियों से काम करने और बांटकर खाने' वाले उसूल को कमजोर किया जा रहा है और लोगों को बेकार बनाया जा रहा है। दूसरी तरफ, भाजपा के नेता 'डबल इंजन सरकार' का नारा लगा रहे हैं। लोगों से कह रहे हैं कि अगर उन्हें देश के खाते से कुछ पाना है, तो राज्य में उसी पार्टी को चुना जाए, जिसकी केंद्र में सरकार हो।

यानी भाजपा केंद्र से आर्थिक सहायता का लालच देकर पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश में है। भाजपा वादा कर रही है कि अगर वह चुनाव जीतती है, तो राज्य में धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानून बनाएगी। कुछ समय पहले भाजपा ने राज्य में कांग्रेस के फ्रंटलाइन नेताओं का पार्टी परिवर्तन कर के अपनी

पार्टी में शामिल किया था, वहीं हाल ही में उसने आप के 6 राज्यसभा सदस्यों को तोड़कर भाजपा में शामिल करवा लिया। गौरतलब है कि राज्यसभा सदस्यों के पार्टी परिवर्तन से कुछ दिन पहले ही उनमें से एक सदस्य के घर पर केंद्र सरकार की फाइनेंशियल गड़बड़ियों की जांच करने वाली एजेंसी ईडी ने छापा मारा था और अगले ही दिन उन की पार्टी परिवर्तन की घटना हो गई। दूसरी तरफ आप में पंजाब के 6 में से 2 पार्टी परिवर्तन वाले सदस्य गैर पंजाबी हैं। राजनीति में अनजान और कच्ची समझ रखने वाले, लेकिन उस समय आप ने राघव चड्ढा और संदीप पाठक को हीरो की तरह पेश करके, उन्हें पंजाब में बिना किसी संवैधानिक दायित्व के बहुत ज्यादा पावर, राज्य के खर्च पर सिक्योरिटी देकर, और फिर उन्हें पंजाब से राज्यसभा मेंबरशिप के लिए नॉमिनेट करके अपनी पॉलिटिकल नादानी दिखाई है। अगर हम पंजाब के बारे केंद्र सरकार की पॉलिसी देखें, तो हमें वहां भी राजनीतिक गुरबत ही दिखाई देती है। भाजपा की केंद्र सरकार, लोगों की भलाई से ज़्यादा कॉर्पोरेट के फायदे के लिए, पंजाब में खेती को इंडस्ट्रिलाइजेशन करने और इसमें लगी 35-40 फीसदी आबादी के एक बड़े हिस्से को खेती के पेशे से हटाने का इरादा रखती है, लेकिन इस आबादी के लिए एक विकल्प के तौर पर एक ठोस और सम्मानजनक काम के लिए कोई भरोसेमंद पॉलिसी लाने में कोई सीरियस नहीं दिखती। राज्य में बेरोजगारी और असमानता दूर करने हेतु संरचनात्मक समाधान पेश करने, जलवायु परिवर्तन प्रभावों और घटते भूजल स्तर को रोकने, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गिरती गुणवत्ता को सुधारने और अन्य धार्मिक-सांस्कृतिक मुद्दों को संबोधित करने के बजाय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय भाजपा नेताओं द्वारा 'डबल इंजन सरकार' और 'धर्मांतरण विरोधी कानून' की पेशकश भी राज्य में राजनीतिक नासमझी को दर्शाती है।

आप के राज्यसभा मेंबरों ने अपने दलबदल को यह कहकर सही ठहराया है कि पार्टी में उनका दम घुट रहा था। लेकिन सच तो यह है कि उनके पास न तो कोई लोगों का एजेंडा था, न सोच और न ही पक्का यकीन और न ही लोगों के हित में कुछ कहने का दम; अगर कुछ था, तो वह था पद और पावर की भूख। लालच और डर के कारण, दलबदल करने से उनका दम घुटना तो रुक गया, लेकिन लोगों के भरोसे का दम जरूर घुट गया।

शी के उत्तर कोरिया दौरे से सतर्क अमेरिका

पुष्परंजन

उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने चीनी राष्ट्रपति के दौरे को काफी कवरेज दिया, लेकिन दोनों देशों के बीच मिलिट्री सहयोग आदान-प्रदान बढ़ाने पर शी की बातों को शामिल नहीं किया। सोल में हंकुक यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज़ में चीनी अध्ययन के प्रोफ़ेसर कांग जून-यंग ने कहा, कि शी की बातों से वाशिंगटन को यह संदेश मिला कि पेइचिंग ने 'मजबूती से एक मिलिट्री सहयोगी बना लिया है' प्रोफेसर कांग जून-यंग ने फ्योंगयांग और मॉस्को के बीच 'बहुत ज्यादा मिलिट्री नज़दीकी के प्रति सावधानी' का संकेत भी दिया। वाशिंगटन इस बार सतर्क है, मास्को की नज़र भी शी के आगमन पर थी। चीन और उत्तर कोरिया के बीच मिलिट्री सहयोग बढ़ने की संभावना ऐसे समय में बनी है, जब फ्योंगयांग अपने न्यूक्लियर और पारंपरिक हथियारों के प्रोग्राम को लगातार आगे बढ़ा रहा है।

पिछले हफ्ते शी के दौरे की घोषणा से एक दिन पहले, उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने बताया कि किम ने हाल ही में न्यूक्लियर मटीरियल बनाने वाले एक नए प्लांट का दौरा किया, और न्यूक्लियर ताकत को तेजी से मजबूत करने का वादा देश से किया था। जिस परमाणु ताकत की आशंका को लेकर ट्रम्प ने ईरान के विरुद्ध युद्ध छेड़ा, उत्तर कोरिया के मामले में चुप्पी है। ट्रम्प की हिम्मत नहीं, कि उत्तर कोरियाई लीडरशिप के विरुद्ध एक शब्द बोल दें। ट्रम्प उत्तर कोरिया के मुंहफट नेता से दूरी बनाये रखना चाहते हैं। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया ने तेजी से अपना परमाणु शस्त्रागार बढ़ाया है, और एक परमाणु-सम्पन्न राष्ट्र के रूप में खुद को स्थापित किया है। उत्तर कोरिया ने हमेशा चीन और रूस के बीच बराबर की दूरी बनाए रखने वाली कूटनीति अपनाई है, या दोनों के बीच संतुलन बनाकर चला है, इसलिए वह चीन के साथ ऐसे किसी भी मिलिट्री सहयोग को लेकर सतर्क है, जो 'रेड लाइन' को पार करता हो। 26 अप्रैल, 2026 को, उत्तर कोरिया ने 'विदेशी सैन्य अभियानों का स्मारक संग्रहालय' खोला।

यह संग्रहालय उन सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूसी सेना के साथ मिलकर लड़ाई लड़ी थी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने एक ऐसी 'आत्मघाती सैन्य नीति' की पुष्टि की है जिसके तहत रूस-यूक्रेन युद्ध में शामिल सैनिकों को पकड़े जाने से बचने के लिए युद्ध के मैदान में आत्महत्या करनी होगी। इसी साल फरवरी में, दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने खबर दी थी, कि रूस-यूक्रेन युद्ध में 6,000 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए, या घायल हुए हैं। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने बताया, कि फरवरी, 2026 तक, रूस के अग्रिम मोर्चे वाले कुर्स्क ओब्लास्ट में लगभग 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिक तैनात थे। इनमें से 10,000 लड़ाकू सैनिक थे, और 1,000 इंजीनियरिंग सेवा के सैनिक थे। उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन की ताकत रूस और चीन की वजह से है।

उसी बूते वो गाहे-बगाहे ट्रम्प को ललकारते हैं, चुनांचे किम जोंग उन, पुतिन और शी दोनों से समान संतुलन बनाये रखना चाहते हैं। दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसी ने कहा, 'रूस में 6,000 सैनिकों के हताहत होने के बावजूद, उत्तर कोरियाई सेना ने युद्ध के मैदान में आधुनिक युद्ध-कौशल और डेटा हासिल करने के साथ-साथ रूस की तकनीकी मदद से अपने हथियार प्रणालियों को अपग्रेड करने में सफलता पाई है।' एजेंसी ने यह भी बताया, कि फ्योंगयांग ने एक नया यूएवी ड्रोन विभाग बनाया है, और वह ऐसे सिस्टम को स्थापित करने पर काम कर रहा है, जो ड्रोन विकसित करने और उनका बड़े पैमाने पर उत्पादन करने में सक्षम हो। लेकिन, क्या उत्तर कोरिया यह सार्वजानिक रूप से स्वीकार करेगा, कि उसके ड्रोन का इस्तेमाल ईरान कर रहा है? फ्योंगयांग द्वारा अपने ड्रोन का ईरान द्वारा इस्तेमाल किए जाने की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने की संभावना बहुत कम है। उत्तर कोरिया की नीति हमेशा हथियारों के गुप्त व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने की रही है। इसके बजाय, वे इस तरह के मामलों में रणनीतिक अस्पष्टता बनाए रखना पसंद करते हैं। विशेषज्ञों का यह मानना है कि उत्तर कोरिया और ईरान के बीच ड्रोन और मिसाइल तकनीक का गहरा आदान-प्रदान रहा है। कई उत्तर कोरियाई ड्रोन, ईरान के शाहेद सीरीज के ड्रोन्स से काफी मिलते-जुलते हैं।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, सोमवार को उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ बैठक के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि दोनों पक्षों को 'कूटनीति, कानून प्रवर्तन और सैन्य मामलों में आपसी सहयोग बढ़ाना चाहिए'। दोनों पक्षों द्वारा रणनीतिक बातचीत को मजबूत करने के वादों के बावजूद, बैठक के बाद जारी बयानों में कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु-निरस्त्रीकरण का कोई जिक्र नहीं था, जो 2019 में शी की पिछली यात्रा से बिल्कुल अलग बात है। अपनी पिछली मुलाकातों से अलग, इस बार शी और किम के साथ उनके रक्षा मंत्री, डोंग जून और नो क्वांग-चोल भी थे। 1992 के बाद यह पहली बार है, जब चीन के रक्षा मंत्री, चीनी राष्ट्रपति के साथ उत्तर कोरिया गए। यह भी पहली बार है, जब चीन के किसी सीनियर रक्षा अधिकारी ने उत्तर कोरिया का दौरा किया है; इससे पहले 2019 में चीनी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के पॉलिटिकल वर्क डिपार्टमेंट के तत्कालीन डायरेक्टर मियाओ हुआ ने वहां का दौरा किया था। हालांकि, खबरों के मुताबिक पिछले साल अक्टूबर में छह साल में पहली बार चीन का एक मिलिट्री डेलिगेशन उत्तर कोरिया गया था, लेकिन उस डेलिगेशन के स्तर के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी।

फिजियोथेरेपी से ठीक कर सकते हैं कंधे का दर्द

आज की आधुनिक जीवनशैली में कंधे का दर्द एक महामारी की तरह फैल रहा है, जिससे न सिर्फ बुजुर्ग बल्कि युवा पीढ़ी भी बुरी तरह प्रभावित है। ऐसा होने के पीछे का एक बड़ा कारण है देर तक बैठे-बैठे स्क्रिन के सामने काम करना है। इस पर एक फिजियोथेरेपिस्ट ने बताया कि लंबे समय तक कंप्यूटर के सामने झुककर बैठना, गलत पोस्चर में सोना और शारीरिक निष्क्रियता इस दर्द के मुख्य कारण हैं। अक्सर लोग इसे मामूली मांसपेशियों का खिंचाव समझकर पेनकिलर्स का सहारा लेते हैं, जो केवल कुछ समय के लिए राहत देते हैं। लेकिन अगर इस दर्द का सही समय पर इलाज न किया जाए, तो यह फ्रोजन शोल्डर जैसी गंभीर स्थिति में बदल सकता है, जिसमें कंधे की गति पूरी तरह रुक जाती है। ऐसे में फिजियोथेरेपी आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है जो न सिर्फ दर्द को जड़ से खत्म करती है, बल्कि कंधे की मांसपेशियों को लचीला बनाकर उसे पूरी तरह से ठीक कर सकती है।

दर्द क्यों होता है

हमारा कंधा शरीर का सबसे ज्यादा हिलने-डुलने वाला हिस्सा है, इसलिए इसमें चोट या खिंचाव का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। अक्सर कंधे की मांसपेशियों में अंदरूनी चोट (रोटेटर कफ), नसों में सूजन या हड्डियों के बीच मौजूद तरल थैली में दिक्कत आने से दर्द शुरू होता है। आजकल घंटों मोबाइल और लैपटॉप का इस्तेमाल करने से गर्दन की नसें खिंच जाती हैं, जिसका सीधा असर कंधों पर पड़ता है। टेंडिनाइटिस, टेंडन में सूजन और चोट के कारण होता है। टेंडिनाइटिस की वजह से व्यक्ति को कोहनी और कंधे के बीच हाथ में दर्द हो सकता है। अगर आपको अक्सर ही कोहनी और कंधे के बीच हाथ में दर्द होता है, तो इस स्थिति को बिलकुल नजरअंदाज न करें। गठिया के रोगियों को जोड़ों और हड्डियों में दर्द की समस्या बनी रहती है। गठिया की वजह से कोहनी और कंधे के बीच हाथ में दर्द हो सकता है। अगर आपको गठिया है तो इसकी वजह से कोहनी और कंधे की बीच हाथ में दर्द हो सकता है।

डॉक्टर के पास कब जाएं

अगर कंधे का दर्द 2-3 दिनों में ठीक न हो या दर्द की वजह से आपकी रात की नींद खराब होने लगे, तो तुरंत किसी अच्छे फिजियोथेरेपिस्ट को दिखाएं। फिजियोथेरेपी एक ऐसा नेचुरल तरीका है जो बिना किसी ऑपरेशन या भारी दवाओं के आपके शरीर को खुद ठीक होने की शक्ति देता है। ध्यान रखें दर्द को सहना बहादुरी नहीं है, सही समय पर सही इलाज करना ही समझदारी है।

पेंडुलम स्ट्रेच से मिलेगी राहत

आप घर पर दो बहुत ही आसान व्यायामों से राहत पा सकते हैं। पहला है पेंडुलम स्ट्रेच - इसमें एक मजबूत मेज का सहारा लेकर आगे झुकें और दर्द वाले हाथ को नीचे ढीला छोड़कर धीरे-धीरे गोल घुमाएं, जैसे घड़ी का पेंडुलम हिलता है।

बदलें बैठने का तरीका

अक्सर कंधे का दर्द हमारी अपनी गलतियों से बढ़ता है। फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह है कि ऑफिस में काम करते समय हर आधे घंटे में अपने कंधों को गोल-गोल घुमाएं (शोल्डर रोल), ताकि मांसपेशियों को आराम मिले। सोते समय बहुत ऊंचा या सख्त तकिया न लगाएं, क्योंकि इससे गर्दन और कंधे की नसों पर दबाव पड़ता है। दर्द होने पर आप गर्म पानी की थैली या बर्फ से सिकाई भी कर सकते हैं। आमतौर पर पुरानी जकड़न में गर्म सिकाई और ताजी चोट या सूजन में बर्फ की सिकाई ज्यादा फायदा पहुंचाती है। इसके अलावा आहार में ऐसी चीजें खाएं जिनमें कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन, ओमेगा 3 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व मौजूद हों। इसलिए हरी पत्तेदार सब्जियां, ताजे फल, अंडे, मछली, दूध और दही का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। वहीं कंधे के दर्द के पीछे सोने की मुद्रा भी काफी हद तक असर डालती है। इसलिए हमेशा किस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि आप अपनी कमर के बल या फिर पेट के बल सोएं। यदि कंधे में दर्द है तो ऐसे में उस तरफ की करवट से ना लेटें।

दीवार पर चढ़ना

दीवार के सामने खड़े होकर अपनी उंगलियों को मकड़ी की तरह धीरे-धीरे ऊपर की ओर ले जाएं। ये दोनों तरीके कंधे की जकड़न को ढीला करते हैं और बिना किसी दवा के वहां खून का बहाव बढ़ाकर दर्द कम करते हैं।

हंसना मना है

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे स्टेशन-मास्टर से शिकायत की-चालीस मिनट हो गए हैं, गाड़ी आज तक नहीं पहुंची। स्टेशन-मास्टर ने कहा-'घबराइए नहीं, ये टिकट चौबीस घंटे तक चल सकता है।

लेखक-'आपने मेरा नया उपन्यास पढ़ा? उसकी सब क्षेत्र धूम है। आलोचक-'इतनी फुर्सत किसे है? मैं तो इतना व्यस्त हूं कि जिन पुस्तकों की बुराई लिखता हूं, उन्हें भी नहीं पढ़ पाता।

नरेश-घर में शासन कैसे चलाएं' नामक पुस्तक से तुम्हें कुछ फायदा हुआ? महेन्द्र-'नहीं। नरेश-'क्यों? महेन्द्र-'पत्नी ने मुझे पुस्तक पढ़ने को कभी नहीं दी।

एक लेखक महोदय कोई सभा में भाषण दे रहे थे-'अजीब इतफाक है कि जिस दिन प्रेमचंद जी का निधन हुआ, उसी दिन मेरा जन्म हुआ। देखा जाए तो वह दिन हिन्दी साहित्य के लिए बड़े दुर्भाग्य का दिन था' एक श्रोता ने अधूरा वाक्य पूरा किया।

पति - अगर मैं मर गया तो तुम दूसरी शादी करोगी? वाईफ - नहीं, मैं अपनी बहेन के साथ पूरी जिन्दगी रह लुंगी। वाईफ - अगर मैं मर गयी तो तुम दूसरी शादी करोगे? हसबैंड - मैं भी तुम्हारी बहेन के साथ पूरी ज़िन्दगी रह लूंगा।

कहानी | किसान की परमात्मा से नाराजगी

एक बार एक किसान परमात्मा से बड़ा नाराज हो गया! कभी बाढ़ आ जाये, कभी सूखा पड़ जाए, कभी धूप बहुत तेज हो जाए तो कभी ओले पड़ जाये! हर बार कुछ ना कुछ कारण से उसकी फसल थोड़ी खराब हो जाये! एक दिन बड़ा तंग आकर उसने परमात्मा से कहा, देखिये प्रभु, आप परमात्मा हैं, लेकिन लगता है आपको खेती बाड़ी की ज्यादा जानकारी नहीं है, एक प्रार्थना है कि एक साल मुझे मौका दीजिये, जैसा मैं चाहूं वैसा मौसम हो, फिर आप देखना मैं कैसे अन्न के भण्डार भर दूंगा! परमात्मा मुस्कुराये और कहा ठीक है, जैसा तुम कहोगे वैसा ही मौसम दूंगा, मैं दखल नहीं करूंगा! किसान ने गेहूं की फसल बोई, जब धूप चाही, तब धूप मिली, जब पानी तब पानी! तेज धूप, ओले, बाढ़, आंधी तो उसने आने ही नहीं दी, किसान ने मन ही मन सोचा अब पता चलेगा परमात्मा को, की फसल कैसे करते हैं, किसान बड़े गर्व से फसल काटने गया, लेकिन जैसे ही फसल काटने लगा, एकदम से छाती पर हाथ रख कर बैठ गया! गेहूं की एक भी बाली के अन्दर गेहूं नहीं था, सारी बालियां अन्दर से खाली थी, बड़ा दुखी होकर उसने परमात्मा से कहा, प्रभु ये क्या हुआ? तब परमात्मा बोले, ये तो होना ही था, तुमने पौधों को संघर्ष का जरा सा भी मौका नहीं दिया ना तेज धूप में उनको तपने दिया, ना आंधी ओलों से जूझने दिया, उनको किसी प्रकार की चुनौती का अहसास जरा भी नहीं होने दिया, इसीलिए सब पौधे खोखले रह गए, जब आंधी आती है, तेज बारिश होती है ओले गिरते हैं तब पौधा अपने बल से ही खड़ा रहता है, वो अपना अस्तित्व बचाने का संघर्ष करता है और इस संघर्ष से जो बल पैदा होता है वही उसे शक्ति देता है, उर्जा देता है, सोने को भी कुंदन बनने के लिए आग में तपने, हथौड़ी से पिटने, गलने जैसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है तभी उसकी स्वर्णिम आभा उभरती है, उसे अनमोल बनाती है! उसी तरह जिंदगी में भी अगर संघर्ष ना हो, चुनौती ना हो तो आदमी खोखला ही रह जाता है, ये चुनौतियां ही हैं जो आदमी रूपी तलवार को धार देती हैं, उसे सशक्त और प्रखर बनाती हैं, अगर प्रतिभाशाली बनना है तो चुनौतियां तो स्वीकार करनी ही पड़ेंगी, अन्यथा हम खोखले ही रह जायेंगे। अगर जिंदगी में प्रखर बनना है, प्रतिभाशाली बनना है, तो संघर्ष और चुनौतियों का सामना तो करना ही पड़ेगा!

7 अंतर खोजें

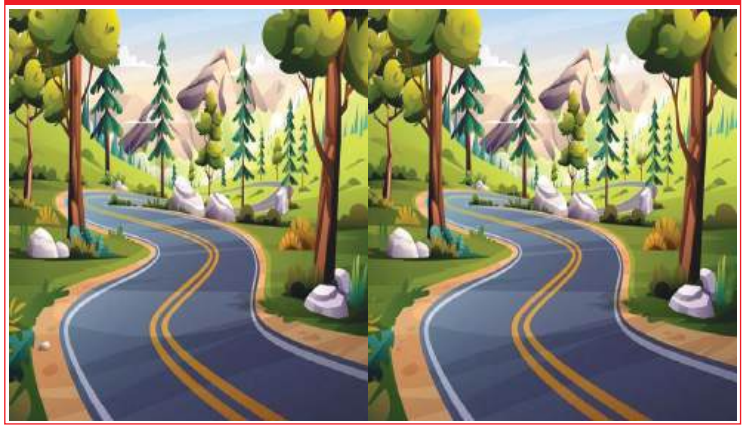

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृषभ

मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे।

मिथुन

यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी।

कर्क

वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

सिंह

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। आय बढ़ेगी।

कन्या

यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे। जीवनसाथी का ध्यान रखें। नए अनुबंध होंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

तुला

वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। अतः उसका परित्याग करें।

वृश्चिक

दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं। राजकीय काम बनेंगे।

मकर

प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ोतरी होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे।

कुम्भ

व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। विवाद न करें।

मीन

राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। वाणी पर संयम रखें।

राव बहादुर का दिलचस्प टीजर रिलीज

बॉलीवुड | गपशप

महेश बाबू की आगामी फिल्म राव बहादुर चर्चा में हैं। वेंकटेश महा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में सत्यदेव प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का टीजर जारी कर दिया गया है और यह काफी दिलचस्प है, जो दर्शकों को रोमांच से भर देगा। वहीं, मेकर्स ने भी टीजर के साथ स्पष्ट लिखा है, यह सिर्फ टीजर है।

महेश बाबू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है, याद रखें... यह सिर्फ एक टीजर है। राव बहादुर के शानदार विजन को हकीकत में बदलने के लिए इस टीम पर सचमुच गर्व है। बता दें कि यह फिल्म 03 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सत्यदेव के अंदाज ने जीता दिल

राव बहादुर के शानदार फर्स्टलुक से दर्शकों को प्रभावित करने के बाद मेकर्स ने इसका टीजर जारी किया है। बहादुर राजकुमार के रोल में सत्यदेव दमदार अंदाज में हैं। इस एपिक साइकोलॉजिकल ड्रामा में अपने ट्रांसफॉर्मेशन से उन्होंने हैरान किया है। टीजर के रूप में सामने आई फिल्म की यह झलक एक ऐसी दुनिया की तरफ इशारा करती है, जो तेलुगु सिनेमा ने पहले कभी नहीं देखी है।

सत्यदेव को देखकर साफ है कि उन्होंने कमाल का ट्रांसफॉर्मेशन किया है। वहीं, फिल्म का ओवरऑल कैनवस बेहद खूबसूरत, भव्य और विजुअली शानदार लग रहा है। टीजर में देखाया गया है कि लीड किरदार पर एक भूत सवार है और यहां शक ही सबसे बड़ा भूत (डेमन) है। यह बात फिल्म को मिस्टिकल रियलिज्म से जुड़े एक साइकोलॉजिकल ड्रामा के रूप में स्थापित करती है। पहली झलक लीक से हटकर है। वेंकटेश महा, राइटिंग, निर्देशन और एडिटिंग तीनों संभाल रहे हैं। सत्यदेव के अलावा फिल्म में विकास मुप्पला, दीपा थॉमस, बाला पराशर, आनंद भारती, प्रणय वाका और मास्टर किरण भी हैं।

वेब सीरीज 'राख', 48 साल पुराने जख्म कर देगी हरा!

48 साल पहले दिल्ली में एक अपराध को अंजाम दिया गया। समय बीत गया है, मगर यादें उतनी ही कड़वी और भयावह हैं। घर से निकले दो भाई-बहन कभी घर नहीं लौट पाए थे। वे बच्चे एक सेनाधिकारी के थे। दोनों मासूमों का अपहरण किया गया और फिर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस अपराध को दुर्दांत अपराधियों रंगा-बिल्ला ने अंजाम दिया था। यह घटना रंगा-बिल्ला केस के रूप में जानी जाती है। इसी पर वेब सीरीज राख बनी है, जो शुक्रवार को ओटीटी पर आई है।

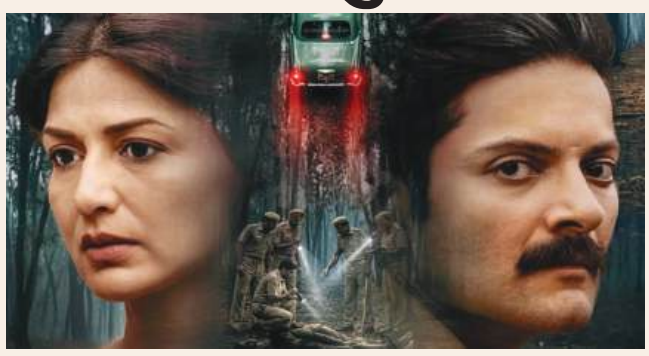

रंगा-बिल्ला मामला भारत के सबसे भयावह आपराधिक मामलों में से एक है। साल 1978 में 28 अगस्त को भाई-बहन गीता चोपड़ा और संजय चोपड़ा का अपहरण किया गया था। दोनों आकाशवाणी में एक कार्यक्रम के लिए जा रहे थे। रंगा-बिल्ला ने उन्हें कार से लिफ्ट दी। मगर, दोनों मासूमों को कार में बंधक बना दिया। संजय और गीता के साथ पहले क्रूरता की गई, फिर बेरहमी से मार दिया गया। करीब पांच दशक पुराना यह मामला आज भी लोगों के जहन में है। सिर्फ इसलिए नहीं कि यह अपराध बहुत बेरहम था, बल्कि इसलिए भी कि इसने सार्वजनिक जगहों पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर भारतीयों के नजरिए को पूरी तरह बदल दिया।

गीता चोपड़ा (16 साल) और उनके छोटे भाई संजय चोपड़ा (13 साल) भारतीय नौसेना में अधिकारी कैप्टन मदन मोहन चोपड़ा के बच्चे थे। वे अपने परिवार के साथ नई दिल्ली के धौला कुआं में रहते थे। जीसस एंड मैरी कॉलेज में द्वितीय वर्ष की छात्रा गीता को उस दिन ऑल इंडिया रेडियो के मशहूर प्रोग्राम युवा वाणी में हिस्सा लेना था। संजय भी उनके साथ जा रहे थे। मगर, दोनों भाई-बहन ऑल इंडिया रेडियो नहीं पहुंच पाए। बाद में जो सच पता चला, उसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। माता-पिता बिटिया के कार्यक्रम का इंतजार कर रहे थे। रात करीब 9 बजे, जब चोपड़ा परिवार ने गीता की आवाज सुनने की उम्मीद में रेडियो चालू किया, तो उन्हें किसी और की आवाज सुनाई दी। घबराकर, कैप्टन चोपड़ा तुरंत बच्चों को लेने स्टेशन गए। वहां उन्हें चौंकाने वाली खबर मिली कि गीता और संजय वहां पहुंचे ही नहीं। परिवार वालों ने दोस्तों, रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों से संपर्क किया। सोचा शायद्यद बच्चों ने कुछ प्लान बदल लिया हो, मगर कहीं से तसल्ली वाला जवाब नहीं मिला। पुलिस को सूचना दी गई और तलाशी अभियान शुरू किया गया।

परिवार की चिंता बढ़ रही थी। बच्चों के सकुशल होने की दुआ कर रहे थे। उम्मीदें बांध रहे थे। दो दिनों तक भी बच्चों की कोई खबर नहीं मिली। और दो दिन बाद जो पता चला, उसने सारी उम्मीदें तोड़ दीं। 28 अगस्त, 1978 को एक मवेशी चराने वाले को जंगल में दो लाशें मिलीं।

बॉलीवुड | मन की बात

रणवीर की धुरंधर ने चमकाई रवि किशन की किस्मत

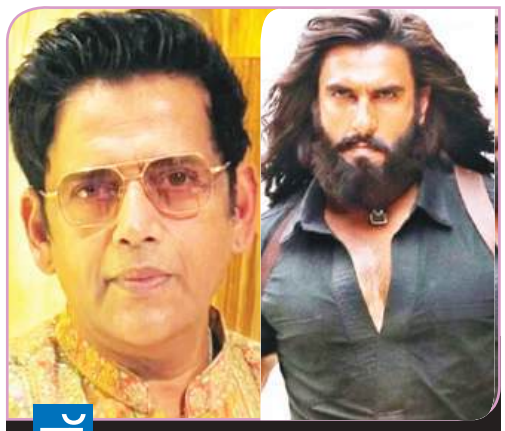

बॉलीवुड और भोजपुरी अभिनेता रवि किशन इन दिनों अपनी भोजपुरी फिल्म धुरंधर: द शूटर को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म साल 2013 में रिलीज हुई थी। अब सोशल मीडिया पर इसके क्लिप वायरल हो रहे हैं। ऐसे में उन्होंने इस फिल्म के अधिकार रखने वाले निर्माता को लेकर एक मजेदार बात कही है। अभिनेता और सांसद रवि किशन की साल 2013 में रिलीज हुई भोजपुरी फिल्म धुरंधर: द शूटर अचानक फिर चर्चा में आ गई है। दरअसल, रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर को लेकर बने माहौल के बीच सोशल मीडिया पर रवि किशन की पुरानी फिल्म के क्लिप्स और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। फिल्म धुरंधर: द शूटर के क्लिप वायरल होने पर रवि किशन ने कहा मेरी जिंदगी में ऐसे दिलचस्प मोड़ आते रहते हैं। मैंने धुरंधर नाम की एक फिल्म की थी। वह एक अलग तरह की भोजपुरी फिल्म थी, जिसका अपना पैमाना और बजट था। अब अचानक लोग मेरी फिल्म धुरंधर को बड़ी संख्या में देखने लगे हैं। इसके लिए मैं सभी का धन्यवाद करता हूं। उन्होंने हंसते हुए आगे कहा, जिस निर्माता के पास आज उस फिल्म के अधिकार होंगे, वह तो अचानक करोड़पति बन गया होगा। काम की बात करें तो रवि किशन इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं। वह जल्द ही कॉमेडी फिल्म धमाल 4 में नजर आएंगे, जिसका हाल ही में ट्रेलर लॉन्च किया गया है। इसके अलावा वह भोजपुरी सिनेमा के साथ-साथ हिंदी वेब सीरीज में भी सक्रिय हैं। अभिनय के साथ-साथ वह राजनीति में भी काफी सक्रिय हैं।

यहां गरीब खाते हैं काजू-किशमिश, अमीरों की थाली में सिर्फ हरी सब्जियां, ड्राई फ्रूट्स से भी महंगी हरी मिर्च!

भारत में आमतौर पर अमीर लोग काजू, किशमिश, बादाम जैसे ड्राई फ्रूट्स खाते दिखते हैं, जबकि गरीब लोग हरी सब्जियां खाते हैं। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में बिल्कुल उलटा नजारा है। वहां हरी सब्जियां ड्राई फ्रूट्स से भी महंगी हो गई हैं। खासकर हरी मिर्च की कीमत देखकर भारतीय हैरान रह जाते हैं।

एक भारतीय महिला ने ऑस्ट्रेलिया के सुपरमार्केट से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो में वह हरी मिर्च, शिमला मिर्च, ब्रोकोली जैसी सब्जियों की कीमतें दिखा रही है। साथ ही काजू, किशमिश और अन्य ड्राई फ्रूट्स की कीमतों की तुलना भी की है। वीडियो देखकर भारतीयों के होश उड़ गए हैं। महिला ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया में 250 ग्राम हरी मिर्च की कीमत 6-8 ऑस्ट्रेलियन डॉलर (करीब 330-440 रुपये) तक है। वहीं 500 ग्राम काजू या किशमिश सस्ते में मिल जाते हैं। ब्रोकोली, पालक, धनिया जैसी हरी सब्जियां भी काफी महंगी हैं। वहीं ड्राई फ्रूट्स अपेक्षाकृत सस्ते हैं। महिला ने कैमरे पर कहा, यहां गरीब लोग ड्राई फ्रूट्स खाकर काम चला लेते हैं क्योंकि हरी सब्जियां उनकी पहुंच से बाहर हैं। अमीर लोग ही महंगी हरी सब्जियां और सलाद खा सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में सब्जियों की महंगाई के कई कारण हैं। देश का बड़ा हिस्सा रेगिस्तानी और शुष्क क्षेत्र है, जहां खेती मुश्किल है। ऐसे में ज्यादातर सब्जियां आयात की जाती हैं, जिससे ट्रांसपोर्ट और कोल्ड स्टोरेज का खर्च बढ़ जाता है। साथ ही मजदूरी की दर बहुत ऊंची होने से उत्पादन लागत बढ़ जाती है। मौसम की अनियमितता और प्राकृतिक आपदाएं भी सब्जी उत्पादन प्रभावित करती है। हाल के सालों में बाढ़ और आग की घटनाओं ने खेती को नुकसान पहुंचाया है। वीडियो वायरल होते ही कमेंट्स में तूफान आ गया। भारतीय यूजर्स लिख रहे हैं- भारत में तो हरी मिर्च 20 रुपये किलो है, वहां 400 रुपये! अब समझ आया विदेश क्यों जाते हैं लोग, यहां सब्जी खाकर रह जाते हैं। एक ने लिखा- ऑस्ट्रेलिया में गरीब भी काजू खा लेते हैं, हम अमीर होकर भी नहीं खा पाते। एक यूजर ने लिखा- सलाद खाना अमीरों का शौक है वहां। कई भारतीय जो ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं, उन्होंने भी अपनी कहानियां शेयर की। उन्होंने बताया कि वहां सलाद और हरी सब्जियां लग्जरी आइटम बन गई हैं। लोग अक्सर फ्रोजन या आयातित सब्जियों का इस्तेमाल करते हैं।

अजब-गजब | भारत का सबसे भुतिया गांव

इस गांव में एक पल में गायब हो गए थे 5000 लोग

राजस्थान को राजाओं और महाराजाओं की धरती कहा जाता है। यहां के भव्य किले, महल और ऐतिहासिक धरोहरें दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। लेकिन इस राज्य की पहचान सिर्फ इसकी खूबसूरती तक ही सीमित नहीं है। राजस्थान में कुछ ऐसी जगहें भी हैं, जिनके साथ रहस्य और डर की कहानियां जुड़ी हुई हैं। इन्हीं में से एक है जैसलमेर के पास स्थित कुलधरा गांव, जिसे भारत के सबसे रहस्यमयी और भूतिया गांवों में गिना जाता है। कहा जाता है कि यह गांव पिछले करीब 200 सालों से वीरान पड़ा हुआ है। यहां दिन के समय तो पर्यटक घूमने आते हैं, लेकिन शाम ढलते ही सन्नाटा ऐसा छा जाता है कि लोग यहां रुकने की हिम्मत नहीं जुटा पाते।

जैसलमेर से लगभग 17 किलोमीटर दूर स्थित कुलधरा गांव आज खंडहर में तब्दील हो चुका है। दूर-दूर तक फैले टूटे हुए मकान, जर्जर दीवारें और वीरान गलियां इस जगह को और भी रहस्यमयी बना देती हैं। यहां पहुंचने वाले पर्यटकों को हर तरफ सिर्फ सन्नाटा और उजड़ा हुआ गांव दिखाई देता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम 6 बजे के बाद यहां कोई नहीं रुकता। हालांकि दिन के समय पर्यटक इस ऐतिहासिक स्थल को देखने आते हैं, लेकिन रात होते ही पूरा इलाका एकदम सुनसान हो जाता है।बात 200 साल से भी पुरानी है।

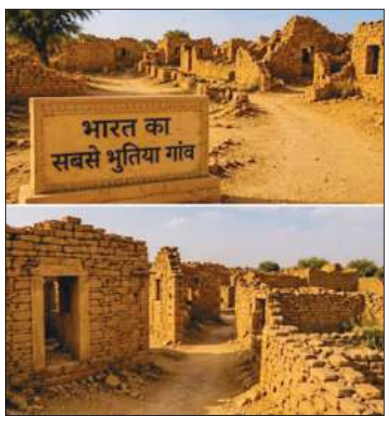

राजस्थान का कुलधरा गांव हमेशा से आज के जैसै विरान नहीं था। कभी यहां बहुत चहल-पहल हुआ करती थी। मान्यताओं और लोक कहानियों के हिसाब से इस गांव को पालीवाल ब्राह्मणों ने बसाया था। 5000 से ज्यादा लोग इस गांव में रहते थे और खेती-बाड़ी करके अपना जीवन चलाया करते थे। गांव में खुशहाली थी और लोग शांति से अपना जीवन जी रहे थे। लेकिन फिर एक ऐसी घटना हुई जिसने पूरे गांव की किस्मत बदल दी।

कहा जाता है कि उस समय रियासत का दीवान सालम सिंह बेहद अय्याश और लोगों पर अत्याचार करने वाला व्यक्ति था। उसकी नजर गांव के मुखिया की खूबसूरत बेटी पर पड़ गई। वह किसी भी कीमत पर उस लड़की को हासिल करना चाहता था। लोक कथाओं के अनुसार, उसने गांव वालों को धमकी दी कि यदि पूर्णिमा तक लड़की उसे नहीं सौंपी गई तो वह जबरन उसे उठा ले जाएगा। इतना ही नहीं, उसने गांव वालों पर भारी कर लगाने की भी धमकी दी। रातों-रात गायब हो गए 5000 हजार लोग दीवान की धमकियों से परेशान होकर गांव के लोग अपनी बेटी और सम्मान की रक्षा के लिए एकजुट हो गए। गांव में पंचायत बुलाई गई, जिसमें यह फैसला लिया गया कि वो किसी भी कीमत पर लड़की को दीवान के हवाले नहीं करेंगे। आखिरकार, अपनी इज्जत और स्वाभिमान को बचाने के लिए पूरे गांव ने रातों-रात कुलधरा छोड़ने का फैसला किया। लोक कथाओं के अनुसार, पालीवाल ब्राह्मण एक ही रात में अपना घर-बार छोड़कर वहां से चले गए। कहा जाता है कि गांव छोड़ते समय उन्होंने कुलधरा को श्राप दिया था कि इस जगह पर फिर कभी कोई बस नहीं पाएगा। तभी से यह गांव वीरान पड़ा हुआ है। स्थानीय लोगों का मानना है कि बाद में कुछ लोगों ने यहां बसने की कोशिश भी की, लेकिन उनके साथ अजीब और अनहोनी घटनाएं होने लगीं, जिसके बाद उन्होंने भी यह जगह छोड़ दी। इसी वजह से कुलधरा को लेकर रहस्य और डर की कहानियां आज भी सुनने को मिलती हैं।

शिवसेना यूबीटी में टूट की अटकलों पर बढ़ी सरगर्मी

पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे की बैठक में नहीं पहुंचे कुछ सांसद

» पार्टी ने ऑपरेशन टाइगर को नाकारा

» बैठक में पहुंचे सिर्फ 4 सांसद, 5 वर्चुअली जुड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना को इन दिनों ऑपरेशन टाइगर का डर सता रहा है, जिसके तहत पार्टी में एक और बड़ी टूट की अटकलें लगाई जा रही हैं। अपने सांसदों को पाला बदलने से रोकने और उन्हें एकजुट रखने के लिए पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को अपने आवास मातोश्री में एक बेहद अहम बैठक बुलाई।

इस हाई-प्रोफाइल बैठक के दौरान उस वक्त सस्पेंस बढ़ गया जब मातोश्री में सिर्फ 4 सांसद ही आमने-सामने मौजूद दिखाई दिए। हालांकि, शिवसेना के नेताओं ने तुरंत इस पर सफाई दी। पार्टी के सीनियर नेताओं ने बताया कि बैठक में सभी 9 सांसद शामिल थे, 4 लोग मातोश्री पहुंचे थे, जबकि बाकी के 5 सांसदों ने अपने कुछ जरूरी निजी कामों की वजह से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वर्चुअली) के जरिए इस मीटिंग में हिस्सा लिया।

अब हम ऑपरेशन वुल्फ शुरू करने जा रहे : राउत

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में सांसदों के शामिल होने की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए संजय राउत ने मीडिया के सामने तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा, आप किस ऑपरेशन टाइगर की बात कर रहे हैं? हम सभी खुद टाइगर हैं। हम किसी से डरने वाले नहीं हैं। अब हम ऑपरेशन वुल्फ शुरू करने जा रहे हैं। हमारे सभी 9 सांसद और संसदीय दल पूरी तरह से एकजुट और मजबूत हैं और आगे भी साथ रहेंगे।

निजी और पारिवारिक वजहों से मुंबई नहीं आ पाए नेता : अरविंद सावंत

बैठक के बाद पार्टी नेता अरविंद सावंत ने बताया कि कुछ सांसद बेहद निजी और पारिवारिक वजहों से मुंबई नहीं आ पाए। उन्होंने कहा, एक सदस्य का बच्चा अस्पताल में बीमार है, दूसरे सदस्य की पत्नी की तबीयत ठीक नहीं है और एक अन्य सदस्य की बेटी की शादी है, इसलिए सभी को इन परिस्थितियों को समझना चाहिए। वहीं अनिल देसाई ने कहा कि सांसदों और विधायकों की ऐसी बैठकें होना एक सामान्य प्रक्रिया है। मीडिया में चल रही टूट की सभी अफवाहें पूरी तरह बेबुनियाद हैं और सभी सांसद चट्टान की तरह उद्धव ठाकरे के साथ खड़े हैं।

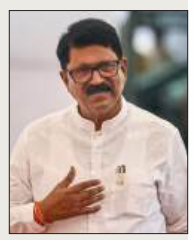

पाकिस्तान की जनता से संवाद जरूरी : मोहन भागवत

» होसबाले के बयान का संघ प्रमुख का समर्थन, कहा- हम हिटलर नहीं हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने पड़ोसी देश पाकिस्तान को लेकर साफ किया कि पाकिस्तान की सरकार को लेकर संघ का रुख बिल्कुल वही रहेगा, जो भारत सरकार की आधिकारिक नीति है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वहां के आम नागरिकों के साथ बातचीत के दरवाजे हमेशा खुले रहने चाहिए। मोहन भागवत ने हाल ही में संघ के सीनियर पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले के उस बयान का खुलकर समर्थन किया, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के साथ बातचीत की खिड़की खुली रखने की वकालत की थी। भागवत ने स्पष्ट किया कि होसबाले का इशारा पाकिस्तान की सत्ता या सरकार की तरफ नहीं था, बल्कि वे वहां की आम जनता के साथ संवाद की बात कर रहे थे। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान में आज भी ऐसे कई लोग मौजूद हैं, जो दिल से मानते हैं कि भारत का बटवारा एक बहुत बड़ी गलती थी।

वहां के कई पत्रकार और आम नागरिक संघ के काम की तारीफ भी करते हैं। पाकिस्तान के अंदर अब एक ऐसा बड़ा वर्ग तैयार हो रहा है, जो टू-नेशन थ्योरी के खिलाफ है और जिसका मानना है कि दोनों देशों का एक साथ मिलकर रहना कहीं ज्यादा बेहतर था। भारत के पारंपरिक और मानवीय मूल्यों का हवाला देते हुए मोहन भागवत ने कहा, हम हिटलर की तरह क्रूर नहीं हैं, यह हमारा स्वभाव और हमारी संस्कृति नहीं है। अगर भविष्य में हम अन्याय और अत्याचार को पूरी तरह हरा भी देते हैं, तब भी हमें वहां के अच्छे लोगों को संभालना होगा। या तो उन्हें मुख्यधारा में शामिल करना होगा या फिर उन्हें शांति से जीने का मौका देना होगा। इसके लिए बातचीत का रास्ता खुला रखना बेहद जरूरी है।

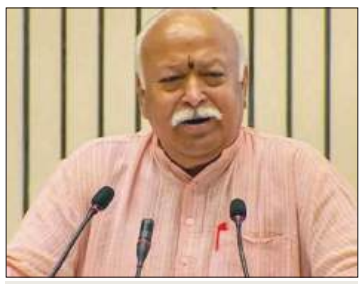

संघ के कार्यक्रम में कुलपतियों के पहुंचने पर केरल सीएम ने की आलोचना

मुख्यमंत्री वीडी सतीसन ने तीन वाइस चांसलर से माफ़ी की मांग की। ये वाइस चांसलर आरएसएस के शताब्दी समारोह में शामिल हुए थे। सतीसन ने उनकी इस भागीदारी को गंभीर चूक और उनके पद के अनुरूप न होने वाली हरकत बताया। सतीसन ने कहा कि आरएसएस कार्यक्रम में वाइस चांसलर की मौजूदगी केरल की वैधिक परंपराओं के खिलाफ थी और इससे उनके पद की गरिमा कम हुई है। सतीसन ने लिखा कि हम आरएसएस के शताब्दी समारोह में तीन वाइस-चांसलरों की भागीदारी को बहुत गंभीरता से लेते हैं, जिसे भागवत ने संबोधित किया था।

राम मंदिर दान विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

» याचिकाकर्ता बोले- एफआईआर के साथ सीबीआई करे पूरी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे और दान की राशि में कथित हेराफेरी के आरोपों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दी गई है। एडवोकेट अनूप प्रकाश अवस्थी ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को यह पत्र भेजा है। उन्होंने मांग की है कि इस मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए। साथ ही, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की सीधी निगरानी में सीबीआई जैसी किसी बड़ी एजेंसी से स्वतंत्र जांच कराने की अपील की है। अर्जी में कहा गया है कि यह मामला करोड़ों लोगों की आस्था और भरोसे से जुड़ा है। राम मंदिर के दान के पैसों में गड़बड़ी या उनके गायब होने की खबरों ने देश और विदेश के भक्तों को बहुत चिंतित कर दिया है।

हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम बनाई है, लेकिन अभी तक कोई औपचारिक आपराधिक मामला या एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। अर्जी के अनुसार, एफआईआर न होने से संस्थान की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। वकील ने स्पष्ट किया कि वह किसी व्यक्ति, संस्था या ट्रस्ट के सदस्यों पर कोई आरोप नहीं लगा रहे हैं। ट्रस्ट के सदस्यों ने बहुत सराहनीय काम किया है। लेकिन आरोपों की गंभीरता और इस मंदिर के महत्व को देखते हुए, जांच में पारदर्शिता और विश्वसनीयता का स्तर बहुत ऊंचा होना चाहिए। भक्तों ने जो दान दिया है, वह उनकी पवित्र भेंट है। यह केवल पैसों के लेन-देन का विवाद नहीं है, बल्कि दुनिया के सबसे सम्मानित धार्मिक स्थलों में से एक के प्रबंधन पर जनता के विश्वास का सवाल है। अर्जी में यह भी तर्क दिया गया है कि राज्य सरकार की एसआईटी अकेले काफी नहीं है। जब तक किसी संवैधानिक अदालत की निगरानी में जांच नहीं होगी, भक्तों के मन में शंका बनी रहेगी।

नाविकों की मौत पर चुप क्यों रहे मोदी

» कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने अमेरिकी हमले को लेकर खड़े किए सवाल

» केंद्र सरकार की पॉलिसी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑयल ले जा रहे जहाज पर अमेरिकी हमले में 3 भारतीयों की मौत हो गई और इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप्पी साध ली। कांग्रेस अध्यक्ष अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ये बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चुप्पी जवाबदेही का विकल्प नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में खरगे ने मोदी सरकार पर भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा और संप्रभुता को कमतर आंकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हितों से रोजाना समझौता किया जा रहा है।

उन्होंने कहा आगे कहा कि आपने कहा था कि देश को झुकने नहीं देंगे, लेकिन अब इस बात का कोई सबूत नहीं चाहिए कि आपने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा और संप्रभुता को कम किया गया है। हमारे राष्ट्रीय हितों से रोज समझौता किया जा रहा है। और आपके अंदर इतनी हिम्मत है कि आप इसे विश्वगुरु की बात कहकर छिपाने की कोशिश करते हैं। ओमान में अमेरिकी कार्रवाई में मारे गए भारतीय नाविकों के शव भारत पहुंच रहे हैं। मैं भी उन तीन भारतीय नाविकों की मौत पर देश के साथ शोक व्यक्त करता हूं। इस दुखद घटना को तीन दिन बीत चुके हैं, फिर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से कोई सार्वजनिक बयान या शोक संदेश तक नहीं आया है। देश को इसका इंतजार था मोदी जी।

मनीष तिवारी ने भी साधा था निशाना

इससे पहले कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की थी। रुबियो ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत के दौरान खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी हमलों का जिक्र किया था, जिनमें तीन भारतीय नाविक मारे गए थे। तिवारी ने कहा था कि रुबियो की टिप्पणियां अचानक, कठोर और टकराव वाली थीं। रुबियो की बातों में कोई पछतावा, कोई अफसोस, कोई संवेदना या सहानुभूति नहीं थी।

विधायक अनंत सिंह और गायक गुंजन को बड़ी राहत

» गोपालगंज एमपी-एमएलए कोर्ट ने दिया एंटीसिपेटरी बेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोपालगंज। मोकामा के बाहुबली जेडीयू विधायक अनंत सिंह एवं सिंगर गुंजन सिंह को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गोपालगंज की एमपी-एमएलए कोर्ट सह एडीजे-3 ने दोनों की एंटीसिपेटरी बेल याचिका मंजूर कर ली है। कोर्ट के इस फैसले के बाद दोनों को मामले में तत्काल गिरफ्तारी से राहत मिल गई है। गौरतलब है कि बीते 2 मई को मीरगंज थाना क्षेत्र के सेमराव गांव में आयोजित एक कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था।

वायरल वीडियो में हथियार लहराने और अश्लील गानों के प्रदर्शन का आरोप लगाया गया था। वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया था और पुलिस प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू की थी।

दीप्ति शर्मा के पंजे से पाकिस्तान चित

» 106 रनों पर ऑलआउट हुई टीम, टॉस के दौरान नहीं हुआ हैंडशेक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बर्मिंघम। स्मृति मंधाना की तूफानी बल्लेबाजी और दीप्ति शर्मा-श्री चरणी की घातक गेंदबाजी के दम पर भारतीय महिला टीम ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान को 64 रन से करारी शिकस्त दी। रविवार को बर्मिंघम में खेले गए ग्रुप-1 मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 170 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके, जबकि श्री चरणी ने तीन विकेट अपने नाम किए।

वहीं, शेफाली वर्मा को एक सफलता मिली। भारत ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट में विजयी आगाज किया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम शुरुआती झटकों के बाद स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 91 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। मंधाना ने 44 गेंदों पर 68 रन की शानदार पारी खेली। वहीं 171 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट निकालकर मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली। पाकिस्तान की ओर से सिर्फ मुनीबा अली ही संघर्ष कर सकीं। मुकाबले से पहले टॉस के समय भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर और पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। लगातार दूसरे आईसीसी टूर्नामेंट में दोनों टीमों की महिला कप्तानों के बीच ऐसा देखने को मिला। हालांकि, हरमनप्रीत ने मैच से पहले साफ कहा था कि उनका पूरा ध्यान केवल क्रिकेट पर है और टीम पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले दबाव को सकारात्मक तरीके से लेने पर फोकस कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 350 विकेट लेने वाली दूसरी भारतीय बनी दीप्ति

बर्मिंघम। भारतीय महिला टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। दीप्ति ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में मात्र 10 रन देकर पांच विकेट झटके। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए दीप्ति शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके साथ ही दीप्ति शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 350 विकेट का आंकड़ा छूने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। उनके नाम अब भारत के लिए कुल 354 अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हो चुके हैं। महिला क्रिकेट में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के नाम है, जिन्होंने अपने करियर में 355 विकेट हासिल किए थे। दीप्ति अब इस रिकॉर्ड से केवल एक विकेट दूर हैं। मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार मिलने पर दीप्ति शर्मा ने कहा, मैं बहुत आभारी हूं। मुझे इस तरह की पिचें पसंद हैं और इसका पूरा श्रेय टीम को जाता है। मुझे आईसीसी टूर्नामेंट खेलना हमेशा पसंद रहा है। मुझे लगता है कि मेरी शुरुआत भी ऐसे ही बड़े मंच से हुई थी, इसलिए ये टूर्नामेंट मेरे लिए खास हैं।

केरल से कर्नाटक तक कांग्रेस पर विपक्ष का प्रहार

» राहुल गांधी के बयान पर सीपीएम और कांग्रेस में घमासान

» भाजपा ने भी कसा नेता प्रतिपक्ष पर तंज

» बीजेपी और जेडीएस ने कर्नाटक के टाउनशिप प्रोजेक्ट को लेकर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल से लेकर कर्नाटक कांग्रेस पर विपक्ष का हल्ला बोल जा रही है। जहां केरल में राहुल गांधी के नो हग बयान ने इंडी गठबंधन में दरार पैदा कर दी है, जहाँ सीपीएम नेता पिनाराई विजयन ने इसे राहुल की सोच पर सवाल उठाया, वहीं बीजेपी ने इस अंदरूनी कलह को सुविधा का गठबंधन बताते हुए विपक्ष पर तंज कसा है। इसबीच कर्नाटक में बेंगुलरू में एक टाउनशिप को लेकर भाजपा व जेडीएस कांग्रेस की सरकार को घेरा तथा वहां हो रही धांधली के बाबत नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस दिग्गज नेता राहुल गांधी को पत्र लिखा है।

विपक्षी गठबंधन एक बार फिर अंदरूनी कलह के संकट में घिर गया है। इस बार कांग्रेस और वामपंथी दलों के बीच दरारें खुलकर सामने आ गई हैं। विवाद की वजह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का एक बयान है। दरअसल, पिछले हफ्ते एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और सीपीएम के कद्दावर नेता पिनाराई विजयन को गले लगाने से साफ इनकार कर दिया था, जिसके बाद से सहयोगी दल उनकी तीखी आलोचना कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने कहा था मैं गले नहीं मिल सकता

इंडी गठबंधन की 8 जून की बैठक का एक ऑडियो सामने आया है, जिसमें राहुल गांधी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, हमारी अपनी लड़ाइयां होती हैं। लेकिन अगर आप मुझसे केरल के पूर्व मुख्यमंत्री को गले लगाने के लिए कह रहे हैं, तो मैं ऐसा नहीं कर सकता और न ही करूंगा, क्योंकि उनके साथ मेरी राजनीतिक लड़ाई चल रही है। बता दें कि केरल में सीपीएम और कांग्रेस एक-दूसरे के कड़े विरोधी हैं, जहां कांग्रेस ने हाल ही में विजयन को सत्ता से बाहर किया है। हालांकि, राष्ट्रीय स्तर पर दोनों पार्टियां एक ही गठबंधन का हिस्सा हैं।

हमारे बीच गले मिलने का कोई रिवाज नहीं : विजयन

राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर पिनाराई विजयन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमारे बीच गले मिलने का कोई रिवाज नहीं है और उनकी बातचीत हमेशा औपचारिक हाथ मिलाने तक ही सीमित रहती है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, मुझे गले न मिलने से कोई आपत्ति नहीं है। मुझे चिंता उस टिप्पणी के पीछे छिपे राजनीतिक संदेश को लेकर है। यह राहुल गांधी के नजरिए और इंडी गठबंधन को लेकर उनकी सोच को दिखाता है।

इस विवाद के बाद लेफ्ट पार्टियों ने कांग्रेस पर दबाव बढ़ा दिया है। सीपीएम के सीनियर नेता एमए बेबी ने कहा कि किसी ने राहुल गांधी से विजयन को गले लगाने के लिए नहीं कहा था, लेकिन उन्हें विजयन की गिरफ्तारी की मांग करना बंद कर देना चाहिए। वहीं, वृंदा करात ने कड़े शब्दों में कहा, कम्युनिस्टों को किसी से गले मिलने की जरूरत नहीं है। हमें साफ-सुथरी राजनीति चाहिए। राहुल गांधी आप अपना गले मिलना अपने पास ही रखें, लेकिन विपक्ष के नेता के तौर पर पिनराई विजयन जैसे सीनियर नेताओं का सम्मान करना सीखें।

लेफ्ट नेताओं ने राहुल को घेरा

फोटो खिंचवाने के लिए तो साथ आ सकते हैं, लेकिन इनके दिल कभी नहीं मिल सकते : शहजाद पूनावाला

विपक्ष की इस अंदरूनी लड़ाई पर बीजेपी ने भी तीखा हमला बोला है। बीजेपी ने विपक्षी गुट को सुविधा का गठबंधन करार दिया। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, इस गठबंधन में सिर्फ फूट है, कोई मिशन नहीं है। यह गठबंधन सिर्फ कागजों पर ही दिखाई देता है, जमीन पर नहीं। ये दल फोटो खिंचवाने के लिए तो साथ आ सकते हैं, लेकिन इनके दिल कभी नहीं मिल सकते।

कर्नाटक के विपक्ष ने ज़मीन हड़पने के मामले में राहुल गांधी को पत्र लिखा

बिदादी में कर्नाटक के प्रस्तावित ग्रेटर बेंगलुरु इंटीग्रेटेड टाउनशिप प्रोजेक्ट को लेकर चल रही राजनीतिक लड़ाई वीकेंड पर और तेज़ हो गई। बीजेपी और जेडीएस ने अलग-अलग कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर उनसे दखल देने और इस बड़े टाउनशिप प्रोजेक्ट के लिए हज़ारों एकड़ खेती की ज़मीन के अधिग्रहण को रोकने की अपील की। 14 जून को लिखे एक पत्र में, कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि वह 25 गांवों के 3,500 से ज़्यादा किसानों की चिंताओं को नज़रअंदाज़ कर रही है। ये किसान बिदादी और हारोहल्ली के बीच प्रस्तावित 18,000 करोड़ रुपये की लागत वाले टाउनशिप के लिए ज़मीन अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं। विजयेंद्र ने दावा किया कि किसानों के लंबे विरोध के बावजूद लगभग 7,481 एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। उन्होंने राहुल गांधी से अपील की कि वे राज्य सरकार को निर्देश दें कि वह इस कदम को वापस ले, जिसे उन्होंने राज्य द्वारा प्रायोजित ज़मीन हड़पने की कार्रवाई बताया।

इससे एक दिन पहले, कर्नाटक प्रदेश युवा जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने भी राहुल गांधी को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि राज्य सरकार ने लोगों की पर्याप्त सहमति लिए बिना ज़मीन अधिग्रहण के अंतिम नोटिफ़िकेशन जारी कर दिए हैं। निखिल ने दावा किया कि इस अधिग्रहण से सैकड़ों किसान परिवारों पर असर पड़ेगा और आरोप लगाया कि सरकार ने ज़मीन अधिग्रहण में उचित मुआवज़ा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 13 के तहत सुरक्षा उपायों को नज़रअंदाज़ किया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस कदम का सबसे ज़्यादा असर छोटे और सीमांत किसानों, दलितों, पिछड़े वर्गों और ज़मीन-विहीन खेतिहर मज़दूरों पर पड़ेगा, और उन्होंने राहुल गांधी से इन अंतिम नोटिफ़िकेशन को वापस लेने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर तीखे हमले के बाद विवाद और गहरा गया। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि यह टाउनशिप प्रोजेक्ट सरकार और रियल एस्टेट कारोबारियों की मिलीभगत से चलाया जा रहा है।

नोएडा में तेज आंधी दिन में ही छाया अंधेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोमवार की सुबह दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने करवट ली, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। गुरुग्राम सहित

» दिल्ली-एनसीआर में बारिश, लोगों को गर्मी से राहत

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कई इलाकों में सुबह-सुबह हुई बारिश ने मौसम को खुशनुमा बना दिया। इस बदलाव से तापमान में गिरावट दर्ज की गई और उमस भरी गर्मी से लोगों को बड़ी राहत मिली। नोएडा समेत दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में दोपहर में तेज आंधी देखने को मिली। आसमान में काले बादल छा गए।

बारिश की बूंदों ने दिन की शुरुआत के साथ ही गर्मी के तेवर को नरम कर दिया। गुरुग्राम-दिल्ली समेत एनसीआर के अन्य हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। इस मौसमी बदलाव का सीधा असर दिन के तापमान पर देखने को मिला, जो सामान्य से कुछ डिग्री नीचे चला गया। लोगों ने इस सुहावने मौसम का आनंद लिया और कई जगहों पर लोग अपने घरों से बाहर निकलकर इस बदलाव का अनुभव करते नजर आए। मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार दोपहर से शाम तक 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से धूल भरी आंधी चलने और कहीं-कहीं बूंदाबांदी होने का अनुमान जताया था। राजधानी में रविवार को गर्मी के कारण लोग बेहाल दिखे। 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 4.8 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान में 2.9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। अगले एक सप्ताह तक कड़ी धूप निकलने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार 20 जून तक अधिकतम तापमान 41 से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है।रविवार सुबह से पहले न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 4.8 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, यह अभी भी सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस कम रहा। दोपहर में तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हुई। इस दौरान अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 24 घंटों में 2.9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस कम रहा।

रोशन आनंद को जमानत मिली

कोर्ट ने कहा- गुरु हैं, गुरु की तरह व्यवहार करें खान और रोशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रोशन आंनद को जमानत मिल गई। रोशन आंनद ने कोर्ट में कहा कि वे घटना में शामिल नहीं थे और जांच में पूरा सहयोग करेंगे। अब भाई प्रिंस के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकेंगे। खान सर की कोचिंग पर हमले के आरोप में पुलिस ने 3 जून को रोशन आंनद को जेल भेज दिया था. पिछले दिनों हुई सुनवाई में पटना सिविल कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी आज उन्हें जमानत मिल गई।

जमानत देते हुए कोर्ट ने कहा, गुरु हैं, खान और रोशन आनन्द गुरु की तरह व्यवहार करें दोनों टीचर हैं, हेल्दी कम्पीटिशन करें, क्रिमिनल एक्टिविटी में इन्वॉल्व न हों, रोशन आनंद के वकील ने कहा, रोशन घटना में शामिल नहीं था. खान ने हम पर अगर षड्यंत्र का आरोप लगाया तो बॉडीगार्ड की फायरिंग वाली बात क्यों छिपाई?। 12 जून को रोशन आनंद की जमानत याचिका पर सुनवाई नहीं हो पाई थी। खान सर के वकील मेडिकल ग्राउंड पर कोर्ट में अनुपस्थित होने की अनुमति मांग की थी।

कांग्रेस पूरे देश में आंदोलन करेगी : केसी वेणुगोपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने कहा लोगों के बीच मौजूदगी और डिजिटल माध्यम, कैंपस में संपर्क, कोचिंग सेंटरों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों और युवा केंद्रों पर बातचीत, सोशल मीडिया अभियान, लाइव स्क्रीनिंग और छात्रों के साथ सीधे संवाद जैसे कार्यक्र म बड़े पैमाने पर किए जाएंगे।

पेपर लीक मामले पर भाजपा को घेरा

उन्होंने कहा, राहुल गांधी का मानना है कि युवा भारतीयों की उम्मीदों की बलि भ्रष्टाचार, अक्षमता या राजनीतिक उदासीनता की भेंट नहीं चढ़नी चाहिए।

अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते से पूरी दुनिया खुश

होर्मुज खोलने से लेकर फ्रीज फंड के रिलीज तक चर्चा, भारत ने किया स्वागत, कांग्रेस व भाजपा ने भी सराहा

» जल्द यूएस-ईरान के बीच डील साइन होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर जारी सस्पेंस आखिरकार खत्म हो चुका है। डोनाल्ड ट्रंप ने पीस डील का ऐलान किया। जल्द यूएस-ईरान के बीच डील साइन होगी, इसमें अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबफ शामिल होंगे। समझौते की शर्तों की डिटेल भी सामने आई है।

अमेरिका-ईरान डील के 3 चरण होंगे। सभी फ्रंट पर युद्ध तुरंत रूक जाएगा। ईरान पर लगा नेवल ब्लॉकेड खत्म होगा। ट्रंप के मुताबिक, होर्मुज खुलेगा। होर्मुज पूरी तरह खुलेगा. ईरान को फ्रीज किए गए कुल 24 बिलियन डॉलर में से 12 बिलियन डॉलर मिलेंगे। परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा होगी. ईरान को बाकी 12 बिलियन डॉलर मिल जाएंगे। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने यूएस-ईरान के बीच 14 सूत्रीय डील की जानकारी प्रकाशित की है।

ट्रंप ने किया शांति समझौते का ऐलान

यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (15 जून) को अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते का ऐलान किया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ पर पोस्ट कर लिखा, यह महान समझौता पूरे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा लाएगा। समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरीके से खुल जाएगा. इससे क्षेत्र और दुनिया के लिए दोनों ओर से तेल की सप्लाई फिर से शुरू हो जाएगी।

पश्चिम एशिया में शत्रुता खत्म करने की दिशा में सकारात्मक कदम : जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम नरेश ने अमेरिका और ईरान के बीच 19 जून को जिनेवा में प्रस्तावित शांति समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि यह पश्चिम एशिया में शत्रुता खत्म करने की दिशा में सकारात्मक कदम है। हालांकि उन्होंने कहा कि समझौते की पूरी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं हुई है, लेकिन उम्मीद है कि अमेरिका, ईरान और इजरायल सभी इसका पालन करेंगे और यह आगे स्थायी शांति का रास्ता खोलेगा।

इस समझौते के साथ इलाके में शांति और स्थिरता आएगी : मोदी

अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते के साथ उम्मीद है कि इलाके में शांति और स्थिरता आएगी। साथ ही आवाजाही, व्यापार की स्वतंत्रता फिर से बहाल होगी। पीएम मोदी ने कहा कि इस संघर्ष की वजह से दुनिया भर में गंभीर आर्थिक अड़चनें खड़ी हुईं और कई देशों को जानमाल का नुकसान हुआ. उन्होंने बातचीत से स्थायी समझौते की उम्मीद जताई। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, मैं पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते का स्वागत करता हूं। इस तनाव ने विश्व भर में गंभीर आर्थिक व्यवधान खड़ा किया है और कई देशों में जानमाल का नुकसान हुआ है।

अमेरिका-इजरायल पर जीत हासिल कर ली : ईरान

ईरान ने इस शांति समझौते को एमओयू नाम दिया है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया, ईरान ने अमेरिका-इजरायल पर जीत हासिल कर ली है। तेहरान के लोगों के समर्थन और सेना के अथक प्रयासों के चलते कई महीनों की कठिन और लंबी बातचीत के बाद 14 जून की शाम को ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच शांति समझौते को अंतिम रूप दिया गया है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा